संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 322 शुक्रवार 26 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मोदी ने राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया

कांग्रेस राज में 'लूट ही लूट' थी,भाजपा सरकार में 'बचत ही बचत' है : नरेंद्र मोदी

बांसवाड़ा,25 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा हमला बोलते हुए कांग्रेस सरकारों पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि उनके शासनकाल में लूट ही लूट थी, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार में बचत ही बचत है और इसलिए पूरा देश 'जीएसटी बचत उत्सव' मना रहा है। उन्होंने विकास, बिजली व भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाया। गुरुवार को बांसवाड़ा के नापला में आयोजित जनसभा में उन्होंने उद्घाटन भाषण की शुरुआत में पीएम ने माही नदी, माँ त्रिपुरा सुंदरी और महाराणा प्रताप व भील योद्धाओं का स्मरण करते हुए स्थानीय लोगों व आदिवासी समुदायों के संघर्ष की प्रशंसा की। पीएम मोदी ने कहा कि विकास की गाड़ी बिजली से चलती है और पहले के दौर में बिजली न होना आम बात थी-पहले बिजली जाना नहीं, बिजली आना न्यूज हुआ करती थी-प्रधानमंत्री के शब्दों में यही पिछली नीतियों की विफलता थी। भाजपा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने कांग्रेस की लूट को बंद किया और जीएसटी में हालिया बदलावों का हवाला देते हुए आम उपभोक्ता की जेब पर असर दिखाया। उदाहरण देते हुए कहा कि वही सामान 2017 में 118 रुपए का आ जाता था, जबकि नए बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। उन्होंने नवरात्र के पहले जीएसटी सुधार का जिक्र करते हुए कहा कि इससे घरेलू खर्चों में राहत मिली है। श्रृंखला कार्यक्रमों में पीएम मोदी ने राजस्थान के लिए कुल 1,22,670 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। प्रमुख परियोजना 42,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,800 मेगावाट माही-बांसवाड़ा परमाणु विद्युत परियोजना का शिलान्यास भी शामिल था। इसके अलावा पीएम ने जोधपुर/बीकानेर-दिल्ली कैंट के बीच चलने वाली दो नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

बिजली है तो दुनिया हमारे पास है : मोदी

पीएम बोले- बिजली है तो दुनिया हमारे पास है, लेकिन हमारे देश में कांग्रेस की सरकारों ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। 2014 में जब मुझे सेवा का मौका दिया और दायित्व संभाला, तब देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे, जहां बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी 70 साल के बाद भी बिजली नहीं थी। गांवों में पोल तक नहीं थे। गांवों में तो 4 से 5 घंटे बिजली आ जाए तो बड़ी बात हो जाती है।

कांग्रेस ने राजस्थान को पेपर लीक का सेंटर बना दिया था

मोदी ने कहा-कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का सेंटर बन गया था। जल जीवन मिशन को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था। बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। बांसवाड़ा में अवैध कारोबार खूब पनपा।

कांग्रेस के समय हालात खराब क्यों थे : मोदी

पीएम ने कहा ...कांग्रेस के समय हालात खराब क्यों थे? कांग्रेस सरकार देश के लोगों को लूट रही थी। कांग्रेस सरकार में टैक्स और महंगाई दोनों चरम थी। 2014 के पहले की बात कर रहा हूं। कांग्रेस सरकार 100 रुपए की खरीद पर 31 रुपए टैक्स लेती थी। 2017 में यही सामान 118 रुपए में आने लगा। अब जीएसटी में बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। कांग्रेस की तुलना में 26 रुपए बचत हो रही है। कांग्रेस के राज में आपको 500 रुपए का जूता 575 रुपए का आता था। कांग्रेस 500 रुपए के जूते पर 75 रुपए टैक्स वसूलती थी।

भारत में पहली बार ट्रेन से अग्नि-प्राइम मिसाइल का टेस्ट

स्पेशल ट्रेन बनाई,रूस,चीन और नॉर्थ कोरिया के बाद ऐसा करने वाला चौथा देश

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। भारत ने बुधवार की देर रात रेल पर बने मोबाइल लॉन्चर सिस्टम के जरिए अग्नि-प्राइम मिसाइल की टेस्टिंग की। यह कैनिस्टराइज्ड लॉन्चिंग सिस्टम से लॉन्च की गई। इसके लिए ट्रेन को विशेष रूप से डिजाइन किया गया। यह ट्रेन देश के हर उस कोने तक जा सकती है, जहां रेल लाइन मौजूद है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी दी। टेस्ट ओडिशा के चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से किया गया। इस टेस्ट ने भारत को उन चुनिंदा देशों के ग्रुप में शामिल कर दिया है जिनके पास रेल नेटवर्क से मिसाइल लॉन्च करने वाला कैनिस्टराइज्ड लॉन्चिंग सिस्टम है। भारत से पहले रूस, चीन और नॉर्थ कोरिया मोबाइल रेल लॉन्चर का टेस्ट कर चुके हैं। लिस्ट में अमेरिका का नाम भी शामिल है, लेकिन उसने पुष्टि कभी नहीं की। अग्नि प्राइम मिसाइल 2000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता के लिए डिजाइन की गई है। जो एडवांस्ड फीचर से लैस है।

यह मिसाइल टेस्ट भारत के लिए महत्वपूर्ण क्यों...

यह मिसाइल टेस्ट भारत के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि किसी भी युद्ध के दौरान सेना को लॉन्चिंग पॉइंट तक जाने वाली रेल लाइन की जरूरत होती है। कुछ मिसाइलों को उनके वजन के चलते मूव करना आसान नहीं होता था। अब यह परिदृश्य बदल जाएगा। इसका मतलब यह भी है कि सेना दुश्मन की नजरों से बचाने के लिए अपनी मिसाइलों को रेल सुरंगों में छिपा भी सकती है। रक्षामंत्री ने भी लिखा है कि यह रेल बेस्ड मोबाइल लॉन्चर मिसाइल को रात के अंधेरे और धुंध भरे इलाके से भी कम समय में लॉन्च कर सकता है। 70 हजार किलोमीटर रेल लाइन के साथ भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। दक्षिण में कन्याकुमारी, उत्तर में बारामूला, पूर्व में साइरंग और पश्चिम में ओखा देश के सबसे रिमोट रेलवे स्टेशन हैं। यानी यहां तक रेल कनेक्टिविटी है। यह मिसाइल लॉन्च करने की एक मॉडर्न तकनीक है। इसमें मिसाइल को एक मजबूत कैनिस्टर (बड़े धातु के कंटेनर) में रखा जाता है।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी ले. कर्नल पुरोहित का प्रमोशन

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। 2008 मालेगांव ब्लास्ट में बरी किए जाने के बाद लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को कर्नल के पद पर प्रमोशन मिल गया है। ये प्रमोशन उन्हें 17 साल के लंबे इंतजार के बाद मिला। 31 जुलाई 2025 को मुंबई की स?पेशल कोर्ट ने कर्नल पुरोहित समेत मामले के सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। इस ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत हो गई थी तो वहीं 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। कुछ दिन पहले ही मालेगांव ब्लास्ट केस में कोर्ट के फैसले के बाद ऐसी जानकारियां आई थीं कि सेना ने लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित के करियर पर पिछले 16 साल से लगा डिसिप्लिन एंड विजिलेंस बैन हटा दिया है। इससे उनके प्रमोशन और बाकी सर्विस बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। केस में आरोपी बनने के बाद जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो उन पर डीवी बैन लगा दिया गया था।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को 97 तेजस फाइटर जेट का ऑर्डर

केंद्र ने 62 हजार करोड़ की डील साइन की

हैदराबाद,25 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को भारतीय वायुसेना के लिए 97 मार्क-1ए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (तेजस फाइटर जेट) बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया। केंद्र ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को तेजस फाइटर जेट के लिए दूसरी बार ऑर्डर मिला है। इससे पहले, केंद्र ने फरवरी 2021 में 46,898 करोड़ की डील के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 83 मार्क-1ए का ऑर्डर दिया था। इसकी डिलीवरी के लिए कंपनी के पास 2028 तक का समय है। मार्क-1ए एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े को रिप्लेस करेगा। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। मिग-21 26 सितंबर को रिटायर हो जाएगा। इसने 62 साल की सर्विस के दौरान 1971 युद्ध, कारगिल और कई बड़े मिशन में अहम भूमिका निभाई। मार्क-1ए में अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम केंद्र ने 19 अगस्त को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने के लिए 62 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे, जिसमें 64% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री और 67 नए स्वदेशी सामान होंगे।

राम मंदिर की चांदी की मूर्ति की बोली 3.51 लाख रुपये से अधिक

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में मिली एक खास चांदी की मूर्ति की ई-नीलामी में अब तक 3,51,000 लाख रुपये से अधिक की सबसे ऊंची बोली लग चुकी है। इसमें भगवान श्रीराम खड़े मुद्रा में दर्शाए गए हैं और उनके चारों ओर भव्य राम मंदिर उकेरा गया है यह मूर्ति श्रद्धा, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम मानी जा रही है। यह मूर्ति प्रधानमंत्री मोदी को किसी विशेष अवसर पर भेंट की गई थी और अब यह संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन नीलामी का हिस्सा है। इस नीलामी से मिलने वाली पूरी राशि नमामि गंगे मिशन को दी जाएगी। इस मूर्ति की नीलामी 17 सितंबर को शुरू हुई है और इसकी अंतिम तिथि दो अक्टूबर शाम पांच बजे तक है। इसका प्रारंभिक मूल्य 2,75,000 लाख से अधिक था, जिसके लिए अब तक अधिकतम 3,51,000 लाख रुपए की बोली लगायी जा चुकी है। इस मूर्ति की अब तक कुल 8 बोली लग चुकी हैं। यह चांदी की मूर्ति भगवान राम को गरिमा,शक्ति और आध्यात्मिक शांति की मुद्रा में दर्शाती है। चारों ओर भव्य मंदिर की आकृति न केवल धार्मिक महत्व को दर्शाती है, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला की सूक्ष्मता का भी प्रमाण है। इस मूर्ति की लंबाई 26.7 सेमी, चौड़ाई 16.7 सेमी, ऊँचाई 21.2 सेमी, वजन 2.5 किलोग्राम, सामग्री शुद्ध चांदी और जीएसटी/शिपिंग चार्ज निशुल्क है। प्रधानमंत्री ने इस नीलामी के संदर्भ में 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, पिछले कुछ दिनों से,मेरे विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान मुझे मिले विभिन्न उपहारों की ऑनलाइन नीलामी चल रही है। इस नीलामी में भारत की संस्कृति और रचनात्मकता को दर्शाने वाली बेहद रोचक कृतियां शामिल हैं।

भाजपा ने धर्मेंद्र प्रधान को बिहार का चुनाव प्रभारी बनाया

भूपेंद्र यादव को बंगाल और बैजयंत पांडा को तमिलनाडु की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। भाजपा ने गुरुवार को बिहार,पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए। बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी जबकि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को सह प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, यहां फिलहाल नीतीश कुमार की जेडीयू और भाजपा गठबंधन की सरकार है। वहीं, 2026 में मार्च से मई के बीच पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव होंगे। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी ञस्ष्ट और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सत्ता में है।

भूपेंद्र यादव के चुनाव प्रभारी रहते भाजपा का शानदार प्रदर्शन : भाजपा के प्रमुख संगठनात्मक रणनीतिकार माने जाते हैं। इससे पहले बिहार (2020), मध्य प्रदेश (2023),गुजरात (2017),झारखंड (2014) और उत्तर प्रदेश (2017) जैसे राज्यों में चुनाव प्रभारी रह चुके हैं। सभी राज्यों में पार्टी ने सरकार बनाई। पश्चिम बंगाल जैसे जटिल राजनीति वाले राज्य में उनका अनुभव पार्टी की जमीनी स्तर की रणनीति को मजबूत करने में सहायक साबित हो सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान को संगठनात्मक और चुनावी मैनेजमेंट का अनुभव

वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के एक अनुभवी संगठनकर्ता हैं। मोदी और शाह की टीम के भरोसेमंद सदस्य हैं। लोकसभा समेत ओडिशा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड,कर्नाटक में संगठनात्मक मजबूती और उम्मीदवारों के बीच तालमेल बैठाने में अहम भूमिका निभाई है। सभी चुनाव में पार्टी की जीत हुई। बिहार जैसे जटिल जातीय समीकरण वाले राज्य में उनकी संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन का अनुभव पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता है।

फिलिस्तीन मुद्दा हल करने भारत आगे बढ़े,विदेश नीति मोदी-नेतन्याहू की दोस्ती से तय न करें : सोनिया गांधी

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध को लेकर मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने के लिए भारत को नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर भारत का रुख बहुत निराशाजनक रहा है। सरकार की गहरी चुप्पी मानवता और नैतिकता के साथ विश्वासघात है। यह भारत की पुरानी विदेश नीति से भी अलग है। गांधी ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर भारत का रुख पीएम नरेंद्र मोदी और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की निजी दोस्ती से प्रभावित दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति व्यक्तिगत रिश्तों से तय नहीं होनी चाहिए। गांधी ने बताया कि फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया के 193 में से 150 से ज्यादा देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता दे रहे हैं। यह कदम उन फिलिस्तीनी लोगों की सपनों और उम्मीदों को मान्यता देने की ऐतिहासिक शुरुआत है, जो लंबे समय से पीड़ा झेल रहे हैं। दुनिया जब फिलिस्तीन को समर्थन दे रही है, तब भारत ने हाल ही में इजराइल के साथ निवेश समझौता किया और उसके दक्षिणपंथी मंत्री की मेजबानी भी की।

सरहद पार से ड्रग्स व हथियारों की तस्करी में छह गिरफ्तार,4 किलो हेरोइन व दो पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़,25 सितम्बर 2025 (ए)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार से चल रहे बड़े नशा और हथियार तस्करी नेटवर्क के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर गिरोह को निष्क्रिय कर दिया है। इनके पास से 4.03 किलो हेरोइन और 2 अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि फिरोज़पुर के गांव मुल्ला रहीमा उतार निवासी जगीर सिंह उर्फ सुच्चा (35), फिरोज़पुर के गांव चाह बोहरिया निवासी अंग्रेज़ सिंह (20), तरनतारन के मस्तगढ़ निवासी गुरप्रीत सिंह (30), तरनतारन के मस्तगढ़ निवासी पलविंदर सिंह (35), फिरोज़पुर की घिननीवाला कैनाल कॉलोनी निवासी लखविंदर सिंह उर्फ लक्की (24) और फिरोज़पुर की नौरंग के स्याल कैनाल कॉलोनी निवासी बलजिंदर सिंह (42) को गिरफ्तार किया है।

बिहार चुनाव से वोटों की गिनती का नया सिस्टम

जब तक सभी पोस्टल बैलट न गिने जाएं,तब तक ईवीएम के आखिरी राउंड की काउंटिंग नहीं होगी

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025 (ए)। चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के नियमों में बदलाव किया है। अब पोस्टल बैलट की गिनती में अगर देरी होती है तो ईवीएम काउंटिंग रोक दी जाएगी। साथ ही बैलट ज्यादा होने पर काउंटिंग टेबल भी बढ़ाई जाएंगी। दरअसल काउंटिंग के दिन बैलट की गिनती सुबह 8:00 बजे शुरू होती है, जबकि ईवीएम काउंटिंग 8:30 बजे की जाती है। अभी तक यह होता था कि कई सेंटर पर मशीन से काउंटिंग जल्दी पूरी हो जाती थी, जबकि बैलट में समय लगता था। अब चुनाव आयोग के नए नियम के अनुसार, बैलट की गिनती बाकी होने पर ईवीएम के सेकेंड लास्ट राउंड की काउंटिंग को रोक दिया जाएगा। तब तक बैलट की काउंटिंग को पूरा करना होगा। इलेक्शन कमीशन ने गुरुवार को प्रेस नोट जारी करके इसकी जानकारी दी। नए नियम की शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से होगी। मान लीजिए किसी बूथ पर ईवीएम मशीनों में 10 हजार वोट डाले गए हैं। इन्हें 5 राउंड में पूरा गिना जा सकता है। लेकिन बैलट वोट 1 हजार हैं और उनकी काउंटिंग में समय लग रहा है। तो ईवीएम काउंटिंग को चौथे राउंड पर रोक दिया जाएगा। जब तक कि बैलट के वोटों की गिनती पूरी न हो जाए। चुनाव आयोग बोला...इससे पारदर्शिता आएगी चुनाव आयोग ने कहा कि यह कदम काउंटिंग प्रोसेस में समानता और ज्यादा पारदर्शिता लाएगा। खासतौर से उन सेंटर्स पर जहां पोस्टल की गिनती की जाती है। इस बदलाव से यह तय होगा कि सभी वोटों की गिनती सही तरीके से और बिना किसी पक्षपात के पूरी हो सके।

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम में 10 नक्सलियों ने डीजीपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

पश्चिमी सिंहभूम,25 सितम्बर 2025 (ए)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला में पुलिस को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली है। भाकपा माओवादी संगठन के 10 नक्सलियों ने महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का ऐलान किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 6 पुरुष और 4 महिला नक्सली शामिल हैं। इस मौके पर झारखंड सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह, आईजी अभियान माइकल राज एस, आईजी एसटीएफ, डीआईजी कोल्हान, डीआईजी स्पेशल ब्रांच, चाईबासा एसपी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को डीजीपी गुप्ता ने माला पहनाकर स्वागत किया। ये सभी नक्सली लंबे समय से कोल्हान एवं सारंडा क्षेत्र में सक्रिय थे और कई मामलों में वांछित थे। इनमें एरिया कमेटी सदस्य रांदो बोइपाई उर्फ कांति बोइपाई और दस्ते के सदस्य गार्टी कोड़ा, जॉन उर्फ जोहन पूरती, निरसो सीदू उर्फ आशा, घोनोर देवगम, गोमेया कोड़ा उर्फ टारजन, कैरा कोड़ा, कैरी कायम उर्फ गुलांची, सावित्री गोप उर्फ मुतुरी उर्फ फुटबॉल और प्रदीप सिंह मुण्डा शामिल हैं। ये सभी हत्या, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आर्म्स एक्ट, यूएपीए और सीएलए एक्ट के तहत दर्ज कई गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित रहे हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इसे झारखंड पुलिस की बड़ी कामयाबी बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर लगातार नक्सली मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों में पश्चिमी सिंहभूम जिले से 26 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आज के आत्मसमर्पण से माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है और चाईबासा और कोल्हान क्षेत्र में नक्सली और उग्रवादी गतिविधियों पर और अंकुश लगेगा। झारखंड पुलिस ने शेष नक्सलियों से भी अपील की है कि वे हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएँ और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनें।

संपादकीय

लेह में हिंसा की तपिश

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल,पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि,हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था।

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है,लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों,नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन,विश्व मानवता को बल देना,युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से,पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा,जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है। भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा','देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है,ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश,कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों,नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो,इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल,शिमला,गोवा, आगरा,राजस्थान,मध्य प्रदेश,मथुरा,काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली,मुंबई, राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरप्रदेश,दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक,प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण,आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

जयकारा

अम्बे रानी का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर
मेहरा वाली का जयकारा गूंजे घर पर
शेरा वाली का जयकारा गूंजे घर घर

पहला नवरात्रा मां शैलपुत्री
पहाड़ों में गूंज जयकारा
ज्योता वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

दूजा नवरात्रा मां ब्रह्मचारिणी
ब्रह्मांड में गूंजे जयकारा
चुनिया वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

तीजा नवरात्रा मां चंद्रघंटा
मंदिरों में गूंजे जयकारा
वैष्णा-आ वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

चौथा नवरात्रा मां कूष्मांडा
कोने कोने में गूंजे जयकारा
भावना वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

पांचवां नवरात्रा मां स्कंदमाता
हर दिल में गूंजे जयकारा
नैना वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

छठा नवरात्रा मां कात्यानी
पल पल में गूंजे जयकारा
चिंतपूर्णी का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

सातवां नवरात्रा मां कालरात्रि
दिन रात में गूंजे जयकारा
कालका रानी का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

आठवां नवरात्रा मां महागौरी
कंजकों में गूंजे जयकारा
गोरा मैया का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

नवा नवरात्रा मां सिद्धिदात्री
हर आत्मा में गूंजे जयकारा
मुरादा वाली का जयकारा गूंजे घर घर
मेरी मैया का जयकारा गूंजे घर घर

अम्बे रानी का जयकारा गूंजे घर घर
मेहरा वाली का जयकारा गूंजे घर घर
शेरा वाली का जयकारा गूंजे घर घर

उकेशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

बिहार चुनाव पर टिकी है सभी की निगाहे

संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव से पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह भाजपा को छोड़ने या निकाले जाने के मुहाने पर पहुंच गए हैं ऐसी मीडिया में खबर आ रही है लेकिन ऐ सब गलत है पार्टियों में नोक झोंक होते रहती है आखिर पुनः किसमे जायेंगे दो ही विकल्प है एक इंडिया गठबंधन और दूसरा एन डी ए और वो एक पूर्व के आई ए एस अधिकारी रह चूंके हैं और शासन काल देखा होगा अतः जब बिहार का चुनाव नजदीक आने वाला है और सभी की निगाहें बिहार चुनाव पर टिकी है ।बिहार और बिहार के लोग लालू-राबड़ी के जंगलराज से परिचित हैं, लेकिन 90 के दशक में जंगलराज का मतलब केवल बूथ लूटना, लूट-हत्या, छेड़खानी या लालू यादव की बेटियों की शादी के लिए गाड़ियों के शोरूम से नई गाड़ी उठाई गई ऐ मैं नहीं, पटना हाईकोर्ट ने 1990 से 2005 तक बिहार में लालू-राबड़ी शासनकाल को जंगलराज की संज्ञा 1997 में दी थी.उस समय जमीन लूटना, गोली मरना, चोरी और गन्दी फिल्मों का रिलीज होना आम बात था नौकरी के लिए पैसा देना पड़ता था नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने अपने सराहनीय प्रयास से बिहार में जंगल राज को ख़त्म किया पहले दिन में ही डाका पड़ता था थाने वाले भी उसे पकड़ने में नाकाम रहते और छोटे व्यापारी को चंदा देना होता था अपहरण की कितनी घटना हुई शिक्षा का भी व्यापार हुआ इसलिए बिहार से जो लोग भी नौकरी की तलाश में दूसरे राज्य में जाते तो इंटरव्यू में उल्टा क्वेश्चन पूछ कर भगा दिया जाता, मैंने वहाँ से 1992 में 3 साल का बीएससी का कोर्स 5 साल यानी 1994 में पूरा किया और कई बार बिहार की डिग्री के कारण अच्छे अच्छे संस्थान में इंटरव्यू में फेल हुआ क्योंकि जब कमिटी डिग्री देखती तो उसे भरोसा ही होता की सही है एक बार एक मास्टर डिग्री के छात्र को किसी अनुसंधान संस्थान, इंदौर में रिटेन के बाद इंटरव्यू देना पड़ा तो बिहार का डिग्री सुन कर लालू यादव के बारे में सवाल पूछ दिया और उसके बाद फेल हो गया केवल एक डिग्री का इस्सू नहीं था बल्कि वहाँ के लोग से सच्चाई का विश्वास भी उठ गया था ऐ बहुत ही शर्म की बात है कि एक अनपढ़ लड़का पैसा और राजनीति ताकत के बल पर नौकरी पा लेता और जो पढ़े लिखे थे उन्हें अपने ख़र्ज के लिए सुबह 6 बजे भोर से ही ट्यूशन पढ़ना पड़ता और रात में घर लौटता क्योंकि वहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर भी नहीं था इसलिए कहीं आने जाने में ही 2-3 घंटे लग जाते ऐ इंफ्रास्ट्रक्चर का काम तो दीखता है पुल बने रोड बना और लोगों को बेहतर सुविधा मिली विपक्ष के बोलचाल से जैसे किसी को भी गाली देना मंच से उतार देना है आज भी जिस तरह इंडिया गठबंधन के बोलने की भाषा आ रही है उससे यही लगता है कि यदि गलती से भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में फिर से गुंडाराज आ सकता है लेकिन मैं अभी तक ऐ समझ नहीं पा रहा हूँ माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उसका दो बार सरकार बनाने में साथ क्यों दिया और क्या संभावना है कि अगर त्रिशुंक बहुमत मिला तो क्या वो फिर से इंडिया गठबंधन में जा सकते हैं हालांकि बिहार में मोदीजी को लोग विकास के लिए मानते हैं क्योंकि बिहार से जंगलराज के बाद गुजरात में जब नौकरी के लिए गए तो वहाँ का विकास देखा है .हाल ही में उप राष्ट्रपति धनकड़ जी का त्याग पत्र देना और उसके बाद उप राष्ट्रपति पी . राधाकृष्णनजी का बनना ऐ दिखाता है कि एनडीए अभी कमजोर नहीं है कुछ यू ट्यूबर पूर्व उप राष्ट्रपति के त्यागपत्र को ऐ बता रहें हैं कि वो कुछ उद्योगपति से मिलकर सरकार गिराने की कोशिश कर रहे थे और उद्योगपति ने इंडिया गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आम आदमी पार्टी को नीतीश कुमार या चंद्राबाबूनायडू के नेतृत्व में प्रधानमंत्री बनाने को एकजुट होने को कहा और चंद्राबाबूनायडू को अपने राज्य में ही मुख्यमंत्री बनने की इक्छा जताई फिर नीतीश कुमार को कहा गया क्योंकि दोनों के गठबंधन से ही सरकार टिकी है और श्री नीतीश कुमार ने ये बात मोदीजी को बताई क्योंकि उन्हें मालूम था सरकार चलाना मुश्किल होगा अतः उन्होंने एनडीए के साथ ही रहने में अपनी भलाई समझी हालांकि मैं बिना जाने इसपर क़ोई भी टिप्पणी नहीं करूँगा लेकिन मोदीजी और नीतीश जी की जोड़ी बिहार में हिट हो रही है लेकिन अब कुछ नई पार्टी जैसे जनसुराज और अन्य छोटे दलों से भी वोट काटने की संभावना है. अतः बिहार का चुनाव में कांटे की टक्कर नजर आ रही हैसाल 1997-98 बिहार में सामाजिक न्याय की सरकार थी। सामाजिक न्याय के ऐसे-ऐसे कारनामे हैं,जिसे सुनकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं ।

ऐसी ही एक कहानी है जैसा की मीडिया में खबर आई कि,बिहार में 1982 बैच के एक सीनियर आइएएस की। दलित समाज से थे। नाम था बी.बी. विश्वास। श्रम विभाग में सामाजिक सुरक्षा के निदेशक के रूप में कार्यरत थे। इनकी पत्नी का नाम था चम्पा विश्वास। उस समय बिहार में लालूप्रसाद यादव की सरकार थी और उनके हीं पार्टी के विधायक थे हेमलता। विधायक हेमलता के बेटे बबलू उर्फ मृत्युजंय यादव की नजर चम्पा विश्वास पर पड़ीं। फिर क्या.. सीनियर आईएएस की बीवी का बलात्कार हो गया। विधायक का बेटा और उसके कई दोस्त दो साल तक लागातार चंपा विश्वास के साथ सामूहिक बलात्कार करते रहे। बी.बी. विश्वास और उनकी पत्नी थाना गये। केस दर्ज नहीं हुआ। लालू के पास गये, लालू बोले कि जो हुआ भूल जाओ। केस करके कुछ नहीं मिलेगा। कार्रवाई कैसे होती, आरोपी लालू की बिरादरी का जो था, और उनकी बायोग्राफी वाली एक किताब भी लिखा था। लगातार चम्पा विश्वास का सामूहिक बलात्कार होता रहा। एक बार तो गर्भपात भी कराना पड़ गया था। गैंगरेप से फिर से गर्भवती ना हो, इसके लिए चम्पा विश्वास ने नसबंदी का रास्ता चुना।

प्रतिभा पलायन को रोकने का बड़ा मौका

प्रो. महेश चंद गुप्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी है। पहले जहां यह फीस लगभग 80 हजार रुपये थी, वहीं अब इसे 80 लाख रुपये तक बढ़ा दिया गया है। स्वाभाविक है कि अब पहले जितनी संख्या में भारतीय युवा अमेरिका नहीं जा पाएंगे। इस फैसले से दुनिया भर में उथल-पुथल मची है, जिसका फायदा उठाने की कोशिश चीन कर रहा है। उसने 'के वीजा' नामक नई श्रेणी की घोषणा की है जिसके तहत वह दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी प्रोफेशनल्स को अपने यहां आकर्षित करना चाहता है। यह वीजा शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान तकनीक और व्यवसाय के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराएगा। भारत के लिहाज से यह स्थिति एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों लेकर आई है। चुनौती इसलिए क्योंकि अमेरिकी दरवाजे बंद होने के बाद चीन नए अवसर देकर हमारी प्रतिभाओं को अपने यहां खींच सकता है। अवसर इसलिए है क्योंकि यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने का सुनहरा मौका है। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें। भारत हमेशा से ही शिक्षा और प्रतिभा के मामले में समृद्ध रहा है पर प्रतिभा पलायन हमारी बड़ी समस्या है। हर साल लाखों छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और रिसर्च के क्षेत्र में पढ़ाई पूरी करते हैं लेकिन अफसोस है कि उनमें से बड़ी संख्या में युवा विदेशों का रुख कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत में शोध के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं, रोजगार के अवसर सीमित हैं और जो अवसर उपलब्ध हैं, उनमें योग्य प्रतिभा को सम्मान और सुरक्षा का अभाव है। डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और आईटी प्रोफेशनल विदेश जाकर वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा का लाभ भारत को मिलना चाहिए। एक तरफ हम युवाओं की शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, दूसरी ओर वे अवसरों की कमी के कारण देश छोड़ जाते हैं। यह भारत के विकास के लिए बड़ी हानि है। ट्रंप का वीजा फीस वृद्धि का कदम दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन मुझे लगता है कि भारत को इसे सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। जब अमेरिका में वीजा इतना महंगा हो गया है कि आम युवा वहां नहीं जा पाएंगे तो इससे स्वाभाविक रूप से प्रतिभा पलायन पर अंकुश लगेगा। यह स्थिति भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

बीमार भारतीय लोकतंत्र

श्याम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

देश को आजाद करने की पहली कोशिश 1857 में हुई जिसे स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई कहते हैं और यह नाकाम रही! लेकिन आजादी के मतवाले लोगों ने देश को आजाद कराने का अपना संघर्ष, कोशिश तथा त्याग जारी रखा! महात्मा गांधी के नेतृत्व में सारा देश उनके अहिंसा के उस आंदोलन में कूद पड़ा जिसका उद्देश्य अंग्रेजी सरकार की गुलामी से मुक्ति पाना था! आखिरकार हमारी कोशिशे 15 अगस्त, 1947 में रंग लाई और भारत एक आजाद देश बन गया। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों, विचारधाराओं तथा समुदाय के विद्वान लोगों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की अगुवाई में 26 जनवरी, 1950 को विश्व के अच्छे-अच्छे संविधानों में से अच्छी-अच्छी बातें लेकर एक एक बहुत अच्छा संविधान बनाया जो कि देश को चलाने के लिए विभिन्न बातों को बताता है। इस संविधान के अनुसार हमने लोकतंत्र के लिए पार्लियामेंट्री फॉर्म ऑफ़ गवर्नमेंट का प्रावधान रखा। संविधान के अनुसार देश राज्यों का संघ होगा। हर राज्य में लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार होगी और केंद्र में भी चुनी हुई सरकार होगी। देश में शासन का संघात्मक ढांचा अपनाया गया। देश को चलाने के लिए संविधान के अनुसार शक्तियों का विभाजन विधायिका, न्यायपालिका,कार्यपालिका तथा मीडिया का प्रावधान रखा गया। सबके अपने-अपने कार्यक्षेत्र है। विवाद होने की स्थिति में देश की सुप्रीम कोर्ट संविधान के मुताबिक फैसला करता है। लोकतंत्र के यह चारों स्तंभ एक दूसरे से स्वतंत्र हैं और एक दूसरे के कार्य में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। केंद्र तथा राज्यों में हर 5 साल के बाद देश के चुनाव आयोग के द्वारा चुनाव करवाए जाते हैं। जिस राजनीतिक दल की 50% से ज्यादा सीटें आती हैं वही ही केंद्र में या राज्यों में सरकार बनाएगी। भारत की आबादी इस समय 140 करोड़ से भी ज्यादा है। 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र का मतलब है लोगों की, लोगों के लिए और लोगों के द्वारा बनाई गई सरकार। जब से हमारा देश 1947 में आजाद हुआ है तब से लेकर अब तक हमारे आसपास तथा विश्व के अनेक भागों में लोकतंत्र को असफल होकर तानाशाही में बदलते हुए देखा गया है। लेकिन इस बात का श्रेय भारतीय लोकतंत्र को ही जाता है के वह बड़ी शान से दुनिया को रास्ता दिखला रहा है।।

लेकिन इस सारे का मतलब यह नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के साथ सब कुछ ठीक-ठाक है। जिस तरह हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती इस तरह बेशक 26 जनवरी, 1950 से हमारे देश में संविधान के लागू होने से केंद्र तथा राज्यों में लोकतांत्रिक सरकारी चल रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे लोकतंत्र में कोई कमियां , कठिनाइयां या अवरोध नहीं है। समय-समय पर हम अपने लोकतंत्र के चारों स्तंभों में कोई ना कोई कमी देखते रहे हैं। हमारे यहां केंद्र सरकार के द्वारा राज्यों में गवर्नर नियुक्त किए जाते हैं जो कि इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि राज्य सरकार संविधान के मुताबिक शासन चला रही है। लेकिन यह देखा गया है के कई बार जिस पार्टी की सरकार केंद्र में होती है वह विभिन्न पार्टियों वाली सरकार को कोई ना कोई बहाना लगाकर गवर्नर की सिफारिश से बर्खास्त कर देती। दूसरे शब्दों में राज्यों में गवर्नर केंद्र सरकार के एजेंट के तौर पर काम करता है। कई बार केंद्र सरकार राज्यों में विरोधी दलों की सरकार के विधायकों को घूंस देकर अपने साथ मिल लेते हैं और अपनी सरकार बना लेते हैं। कई बार गवर्नर विधानसभा द्वारा परित बिल को पास नहीं करता और वह बिल कानून नहीं बन सकता। कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नर की इस प्रकार की कार्रवाई पर एतराज करते हुए एक निश्चित समय में ही बिल को पास करने या फिर विधानसभा को वापस करने का आदेश दिया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, सीबीआई,ईडी आदि स्वायत्त संस्थाएं हैं केंद्र सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ इनका दुरुपयोग करती है। जो कि गलत है। आजकल चुनाव आयोग के द्वारा नई चुनाव लिस्ट बनाने में लगी हुई है। विपक्षी दल वालों का यह आरोप है कि चुनाव आयोग इस लिस्ट में उन लोगों के नाम काट रहा है जो कि सत्ता पक्ष के पक्षधर नहीं है। विपक्ष इसे वोट चोरी कहता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करके यह बताने की कोशिश की है कि किस प्रकार वोटो की चोरी होती है अर्थात सत्ता पक्ष जीतने के लिए चुनाव आयोग के द्वारा वोटो की हेरा फेरी करता है। बहुत बार हमारी संसद में लोगों द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि अपनी पार्टी के लिए मतदान न करके सत्ता पक्ष के लिए मतदान करते हैं। बहुत बार सदन में विपक्षी दल वालों को अध्यक्ष महोदय किसी नियम का हवाला देकर बोलने की अनुमति नहीं देते और कई बार विपक्ष के सदस्यों द्वारा कहीं गई किसी बात को संसद की कार्रवाई से निकाल देते हैं जबकि सत्ता पक्ष पर अध्यक्ष हमेशा मेहरबान रहते हैं। ऐसा देखा गया है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की अवहेलना करके बहुमत के आधार पर जो कानून पास करवाना चाहे करवा लेता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जीएसटी 2.0 रिफॉर्म किसानों,व्यापारियों और मध्यमवर्ग के लिए सहारा-मोदी सरकार का ऐतिहासिक निर्णय

वन नेशन वन टैक्स से आत्मनिर्भर भारत की राह होगी मजबूत : पवन साय

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू किए गए जीएसटी 2.0 रिफॉर्म से किसानों, व्यापारियों, मध्यमवर्ग एवं आमजन को राहत और सहारा मिलने पर भाजपा सरगुजा संभाग अंतर्गत व्यापार, आर्थिक एवं व्यावसायिक प्रकोष्ठ द्वारा होटल पर्पल, अंबिकापुर में अभिनंदन एवं आभार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय,मुख्य वक्ता के रूप में मंत्री रामविचार नेताम, अध्यक्षता मंत्री राजेश अग्रवाल ने की। विशेष अतिथि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े,व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक लाभचंद बाफना, विधायक गण संभाग के समस्त भाजपा जिलाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, व्यापारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि टैक्स व्यवस्था कोई नई नहीं है, यह प्राचीन काल से समाज और राष्ट्र के संचालन का आधार रही है। राजा-महाराजाओं के समय से टैक्स लिया जाता था ताकि जनता के कल्याण और राज्य के संचालन के लिए संसाधन उपलब्ध हो सकें। लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में टैक्स प्रणाली बेहद जटिल और असंगठित हो गई थी, जिसने व्यापारी वर्ग और आम जनता को बोझ तले दबा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाँच स्लैब को घटाकर दो स्लैब कर टैक्स को बेहद सरल,पारदर्शी और व्यावहारिक बनाया है। आज व्यापारी केवल व्यवसाय नहीं कर रहा,बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है। व्यापारी वर्ग जब अपने व्यापार से आगे बढ़कर देश के लिए सोचना शुरू कर देता है,तब राष्ट्र कई गुना तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर होता है। पवन साय ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे सूर्य जल को भाप में लेकर बाद में वर्षा के रूप में कई गुना लौटाता है,उसी प्रकार जीएसटी व्यवस्था देश को नई ऊर्जा और विकास की वर्षा से सींच रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जीएसटी सुधार देश की आर्थिक मजबूती के साथ-साथ रामराज्य की आदर्श कल्पना को साकार करेगा। मुख्य वक्ता मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि वन नेशन,वन टैक्स की अवधारणा भारत के इतिहास में सबसे बड़ा कर सुधार है। पुराने समय में भी राजा कर

वसूलते थे ताकि निर्माण कार्य और जनकल्याण हो सके,लेकिन जब-जब करों का बोझ बढ़ा, शासक अलोकप्रिय हुए। कांग्रेस शासनकाल ने भी जनता पर अनावश्यक टैक्स का बोझ डालकर यही गलती दोहराई। उन्होंने कहा कि 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी थी, भ्रष्टाचार चरम पर था और विकास ठप हो गया था। मोदी जी ने साहसिक निर्णय लेते हुए नोटबंदी, जीएसटी, जनधन योजना, शौचालय, गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास, उवला,बिजली और सड़क जैसी योजनाओं से गरीब और किसान वर्ग को मजबूत आधार दिया। नेताम ने कहा कि जीएसटी 2.0 केवल टैक्स सुधार नहीं है, बल्कि यह भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक निश्चित रूप से विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विश्व भारत की ओर आशा से देख रहा है और यह हमारी बड़ी उपलब्धि है। अध्यक्षीय उद्बोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था, लेकिन लंबे समय तक चली गुलामी और कांग्रेस शासन ने देश को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया। मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के पहले और आज की स्थिति में जमीन-आसमान का अंतर है। पहले भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अनिश्चितता थी, वहीं आज पारदर्शिता, सुशासन और तीव्र गति से विकास हो रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अब देश में टैक्स पेयर्स की संख्या बढ़ाना जरूरी है, ताकि विकास के लिए और अधिक संसाधन जुटाए जा सकें। व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक लाभचंद बाफना ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में टैक्स व्यवस्था व्यापारियों और आम जनता दोनों के लिए बेहद कठिनाईपूर्ण थी। लेकिन मोदी जी ने इसे सरल और प्रभावी बनाकर व्यापारी वर्ग को राहत दी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनधन, उवला, किसान सम्मान निधि,मुफ्त अनाज जैसी योजनाओं के जरिए गरीब और जरूरतमंदों तक सीधी सहायता पहुंचाई। नोटबंदी और जीएसटी जैसे बड़े फैसले सामान्य नहीं थे, लेकिन इन्हीं निर्णयों ने भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गईं, तब मोदी जी के नेतृत्व ने भारत को न केवल संकट से बाहर निकाला बल्कि और मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम के बीच में वरिष्ठ टैक्स अधिवक्ता सुलोचना पांडे का सम्मान अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक प्रबोध मिंज, विधायक राजकुमार टोप्पो, विधायक उद्धेश्वरी पैकरा,विधायक भूलन सिंह मराबी,पूर्व मंत्री राम सेवक पैकरा,युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय तोमर, महापौर मंजूषा भगत,कमलभान सिंह, जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, मुरली मनोहर सोनी,एमसीबी चंपादेवी पावले, देवेन्द्र तिवारी,ओम प्रकाश जयसवाल , जिप अध्यक्ष निरूपा सिंह,चंद्रमणि पैकरा जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने प्रधानमंत्री मोदी, सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

मंच का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक मुकेश गर्ग ने किया। कार्यक्रम में भाजपा वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह, ललन प्रताप सिंह,बाबूलाल गोयल, अम्बिकेश केशरी हरपाल भामरा अभिमन्यु गुप्ता, राजकुमार बंसल,सहित बड़ी संख्या में व्यवसायी,गणमान्य नागरिक,जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमन अग्रवाल अभिषेक शर्मा रवीन्द्र तिवारी,मुकेश अग्रवाल,उमेश अग्रवाल अशोक अग्रवाल सक्रिय रहे हैं।

शारदीय नवरात्र में लखनपुर क्षेत्र हुआ भक्तिमय मंदिरों और पंडालों में उमड़ा आस्था का सैलाब

-संवाददाता-
लखनपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सम्पूर्ण लखनपुर क्षेत्र इन दिनों मां दुर्गा की भक्ति और श्रद्धा में सराबोर हो गया है। नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। जगह-जगह मंदिरों और देवी पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, वहीं अखंड मनोकामना ज्योति कलश से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। लखनपुर के प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। भक्तों द्वारा अखंड ज्योति प्रवलित कर माता रानी के जयकारों से संपूर्ण मंदिर प्रांगण गुंजायमान हो रहा है। इसी तरह नगर के हृदय स्थल पर स्थित भवानी मंदिर में भी भक्तों की अपार भीड़ उमड़ रही है। यहां भी अखंड मनोकामना ज्योति कलश जलाकर माताजी से सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की जा रही है। इसी कड़ी में नगर के नव चेतना दुर्गा पूजा समिति द्वारा विशाल एवं आकर्षक पंडाल का निर्माण किया गया है, जो लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विद्युत सज्जा और भव्य कलाकृतियों से सुसज्जित यह पंडाल नवरात्र की आस्था और उत्साह को और अधिक दिव्यता प्रदान कर रहा है। सिर्फ नगर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में भी नवरात्र की धूम स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। ग्राम जजगा के रामपुरहिन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। प्रतिदिन प्रातः एवं सायं भक्ति-गीत, मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना से गांव का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा हुआ है। इसके अतिरिक्त लखनपुर विकासखंड के केवरी, जमगाला, लाटोरी,कोरजा,गणेशपुर,गुमगरा, निमहा,कटिंदा,कुन्नी,नवापारा सहित अनेक ग्राम पंचायतों में माता दुर्गा की प्रतिमाएं विधिवत स्थापित कर दी गई हैं। ग्रामीणजन नवरात्र के नौ दिनों तक उत्साह और श्रद्धा से आरती, भजन-कीर्तन एवं पूजा-अर्चना में सहभागी हो रहे हैं। हर ओर शक्ति उपासना का यह पर्व लोगों को धार्मिक चेतना के साथ ही सामाजिक एकता का संदेश भी दे रहा है। मंदिरों से लेकर पंडालों तक गूंजते जय माता दी के स्वर नवरात्र की पावनता को और अधिक दिव्य बना रहे हैं।

सूरजपुर जिला अस्पताल में लापरवाही से मां-बच्चे की मौत,इलाज के इंतजार में तड़पती रही गर्भवती महिला

-शमरोज खान-
सूरजपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सूरजपुर जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही का शर्मनाक मामला सामने आया है। ग्राम पीढ़ा निवासी रेखा राजवाड़े (24),जो नौ माह की गर्भवती थीं, उन्हें प्रसव पीड़ा के चलते बुधवार रात अस्पताल लाया गया। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि तीन घंटे तक न कोई डॉक्टर आया, न ही नर्स। जब तक डॉक्टर मौके पर पहुंचे, तब तक रेखा और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो चुकी थी।

बिना इलाज तड़पती रही महिला,नहीं मिला समय पर उपचार

रात 11 बजे रेखा को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। परिजनों और मितानिन सुगंती राजवाड़े के अनुसार,प्रसव पीड़ा से कराहती रेखा को देखकर भी अस्पताल स्टाफ ने गंभीरता नहीं दिखाई। गार्ड को कई बार डॉक्टर और नर्स को बुलाने कहा गया,

लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। गार्ड ने केवल 'ताकत लगाने' की सलाह देकर बात टाल दी। करीब ढाई बजे रेखा की सांसें थम गईं और वह अचेत हो गई। तभी डॉक्टर और नर्स मौके पर पहुंचे और बिना इलाज किए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने महिला और नवजात दोनों को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप : रेखा के भाई गोपाल राजवाड़े ने कहा, तीन घंटे तक अस्पताल में किसी ने कुछ नहीं किया। जब बहन बेहोश हो गई, तब उसे बिना कोई जानकारी दिए रेफर कर दिया गया। अंबिकापुर पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि उनकी मौत पहले ही हो चुकी थी। एक और शर्मनाक बात यह सामने आई कि अस्पताल की सरकारी एम्बुलेंस सेवा के ड्राइवर ने मृतका के परिजनों से 800 रुपये वसूले। सुबह 5 बजे रकम देने के बाद ही ड्राइवर अंबिकापुर रवाना हुआ। मृतका के ससुर शोभनाथ राजवाड़े ने इसकी पुष्टि की।

खुशियों को मातम में बदल गई यह रात

रेखा राजवाड़े पहले से एक तीन साल के बच्चे की मां थीं। यह उनका दूसरा गर्भ था और पूरे परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन अस्पताल की लापरवाही ने सबकुछ तबाह कर दिया। यह सवाल अब पूरे स्वास्थ्य विभाग के कार्यप्रणाली पर खड़े कर रहा है। सूरजपुर जिला अस्पताल में हुई यह चौंकाने वाली घटना केवल एक महिला की नहीं, पूरे सिस्टम की असफलता है। यह समय है जब स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही तय की जाए। सवाल उठता है–जब एक गर्भवती महिला को समय पर इलाज नहीं मिल सकता, तो आम मरीजों की हालत क्या होगी?

सरगुजा सेवा समिति,नागरिक समिति एवं जिला प्रशासन द्वारा विजय दशमी महापर्व की तैयारी जोरो शोरो से

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा सेवा समिति,नागरिक समिति एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में विगत 33 वर्षों से विजय दशमी महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन के 34 वें वर्ष में सरगुजा सेवा समिति,नागरिक समिति एवं जिला प्रशासन द्वारा विजय दशमी महापर्व की तैयारी जोरो शोरो से चल रही है। सरगुजा सेवा समिति के महासचिव श्री संजय अग्रवाल द्वारा बताया गया है कि इस वर्ष के कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष की भांति मानस गायन प्रतियोगिता से प्रारंभ होगा मानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन कल दिनांक 26.09.2025 दिन गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर देवीगंज रोड के सभागार में भगवान श्री राम,जानकी एवं लक्ष्मण श्री हनुमान जी के विधिवत् पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ की जायेगी। मानस गायन के प्रथम दिवस महिला मंडली द्वारा प्रतुति दी जायेगी एवं द्वितीय दिवस दिनांक 27.09.2025 दिन शनिवार को पुरूष मंडली प्रस्तुति दी जायेगी। सरगुजा संभागीय श्री राम चरित्र मानस गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10,000/-रू. द्वितीय पुरस्कार 7,000/- रू. एवं तृतीय पुरस्कार 5,000/- रू. विजेताओं को स्मृति चिन्ह के साथ पुरस्कृत की जायेगी। यह पुरस्कार महिला मंडली व पुरूष मंडली को अलग-अलग दी जायेगी एवं प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रत्येक टीम को 1,100/- रू. प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। समिति द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरगुजा संभाग स्तरीय लोक नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। लोक नृत्य प्रतियोगिता 29.09.2025 को स्थानीय कलाकेन्द्र मैदान में प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ होगी कार्यक्रम में सुआ नृत्य व शैला नृत्य की प्रस्तुति प्रतिभागीयो द्वारा निश्चित समयावधि में दी जायेगी। लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10,000/-रू.

द्वितीय पुरस्कार 7,000/- रू. एवं तृतीय पुरस्कार 5,000/- रू. विजेताओं को स्मृति चिन्ह के साथ पुरस्कृत की जायेगी। यह पुरस्कार शैला नृत्य व सुआ नृत्य के प्रतिभागीयों को अलग-अलग दी जायेगी। एवं प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रत्येक टीम को 1,500/- रू. प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। विजय दशमी महापर्व 2025 का आयोजन दिनांक 02.010.2025 दिन गुरूवार को श्री राम मंदिर से दोपहर 02:00 बजे शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ होगा,यह शोभा यात्रा श्री राम मंदिर होते हुए जय स्तभं चौक,महामाया चौक, संगम चौक,घड़ी चौक,गांधी चौक होते हुए पी.जी. कॉलेज मैदान की ओर प्रस्थान करेगी। शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण श्री राम लला जी रथ के साथ झांकी,जबलपुर की झांकी,शैला नृत्य,सुआ नृत्य व धुमाल बैण्ड के साथ शोभा यात्रा को और भी भव्यता प्रदान करने का प्रयास समिति इस वर्ष कर रही है। विजयदशमी महापर्व 2025 का संध्या कार्यक्रम 05:00 बजे से स्थानीय पी.जी. कॉलेज मैदान में प्रारंभ होगा। विशेष आकर्षण के रूप में इस वर्ष विश्व प्रसिद्ध बनारस की श्री राम महा आरती का आयोजन से समिति कार्यक्रम को और भी अधिक भव्यता प्रदान कर रही है। मैदान में समिति द्वारा भजन संध्या व जगराता का कार्यक्रम श्री राजेश जायसवाल व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण दक्षिण भारत आंध्रप्रदेश के काकीनाड़ा की टीम द्वारा भव्य अतीशबाजी का आयोजन रखा गया है। सरगुजा सेवा समिति द्वारा आप सभी सरगुजा वासियों को समिति द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया है।

शारदीय नवरात्र में लखनपुर क्षेत्र हुआ भक्तिमय मंदिरों और पंडालों में उमड़ा आस्था का सैलाब

-संवाददाता-
लखनपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों को सशक्त बनाने और उनके उवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के उद्देश्य से लखनपुर स्थित कन्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल के करकमलों से 52 छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का तिलक व बैच लगाकर अभिनंदन किया और स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत को भव्य बनाया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि बेटियों की शिक्षा ही समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करती है। सरकार द्वारा संचालित सरस्वती साइकिल योजना का उद्देश्य

छात्राओं को विद्यालय तक आने-जाने में सुविधा देना और उनकी पढ़ाई में निरंतरता सुनिश्चित करना है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर, अनुशासित और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष राजेंद्र जैसवाल ने भी अपने विचार रखते हुए छात्राओं को शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य ने स्वागत उद्बोधन में विद्यालय की उपलब्धियों और चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कुछ आवश्यकताओं की जानकारी दी, जिन पर मंत्री जी ने शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने निजी संसाधनों से भी छात्राओं को निःशुल्क कॉपियां वितरित कीं। कार्यक्रम में मंत्री प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष दिनेश् बारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, मंडल महामंत्री सचिन बंसल, मंडल उपाध्यक्ष यतेन्द्र पाण्डेय लक्ष्मण साहू, शाला विकास समिति के सदस्य आलोक गुप्ता सहित विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

सूरजपुर पुलिस ने 40 लाख रूपये कीमत के नशीली गांजा,अफीम व डोडा को किया नष्ट

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
गुरूवार, 25 सितम्बर 2025 को सूरजपुर जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस लाईन परिसर में अस्थायी भट्ठे में मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट किया गया। जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के 28 प्रकरणों में जब्त 171.041 किलोग्राम गांजा एवं 23 नग गांजा का पौधा, अफीम 130 ग्राम, डोडो 1.772 किलो ग्राम को नष्ट किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रूपये है।

डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि नष्टीकरण की प्रक्रिया गठित टीम की मौजूदगी में संपन्न हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो और जिला आबकारी अधिकारी अनिल मित्तल, पर्यावरण अधिकारी बी.बी. ध्रुव सहित अन्य अधिकारी पंचान भी मौजूद रहे। जिला पुलिस सूरजपुर ने युवाओं व नागरिकों को नशे से बचाने के लिए भविष्य में भी निरंतर मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्यवाही करने के लिए दृढ़ संकलित है। इस दौरान डीएसपी रितेश चौधरी,रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक जावेद मियादांद,वन विभाग के महेन्द्र प्रसाद सहित पुलिस के अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की बिगड़ी तबियत,अस्पताल में हुए भर्ती

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के सांसद चिंतामणि महाराज की तबियत अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें शहर के गायत्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मिली जानकारी के अनुसार,सांसद महाराज सोमवार देर रात रायपुर से अंबिकापुर लौटे थे,जहां उन्होंने मुख्यमंत्री और राजयपाल से मुलाकात की। घर लौटने के कुछ घंटों बाद ही उनकी तबियत में अचानक गिरावट आई। उन्हें पेट संबंधी तकलीफ के चलते सुबह करीब 3 बजे तत्काल शहर के गायत्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी में घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे है। फिलहाल,चिंतामणि महाराज की हालत स्थिर बनी हुई है। बता दें कि सांसद चिंतामणि राजधानी रायपुर स्थित राजभवन से राज्यपाल से मिलकर रात तकरीबन 9 बजे के आसपास अम्बिकापुर के लिए निकले थे। रास्ते में कोरबा जिले के ग्राम मोरगा के पास अचानक सांसद चिंतामणि के पेट में दर्द होने लगा वे काफी असहज महसूस करने लगे।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
होली क्रॉस वूमेंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ स्वामी विवेकानंद जी व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुआ। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रवलन कर ईश्वर को साक्षी मानकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। महाविद्यालय में स्वयं सेवी छात्राओं ने प्रार्थना गीत व नृत्य लक्ष्य गीत छत्तीसगढ़ी नृत्य कर्मा नृत्य और सुंदर गीतों के माध्यम से इस महत्वपूर्ण दिवस पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आज के दिन की विशेषता तथा स्वयं सेवकों के योगदान व कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अशैक्षणिक स्टाफ व छात्राओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिया। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी श्रीमती पुष्पा चौबे के संयोजन और महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सिस्टर शांता जोसेफ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा सरगुजा ने किया माल्यार्पण और पौधरोपण

अंत्योदय दर्शन से प्रेरणा लेकर सेवा पथ पर अग्रसर है भाजपा : भारत सिंह सिसोदिया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में मंडल समलाया और महामाया के कार्यकर्ता तथा भाजपा पदाधिकारियों ने पंडित दीनदयाल चौक पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले के प्रत्येक बूथों पर पाँच-पाँच पौधों का रोपण किया गया तथा कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के संस्थापक ही नहीं, बल्कि अंत्योदय के प्रणेता भी थे। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की किरण पहुँचाने का जो विचार दिया, वही आज भाजपा सरकार के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सेवा और संगठन के पथ पर आगे बढ़ना है। इसके बाद महापौर मंजूषा भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन दर्शन हमें हमेशा यह सिखाता है कि राजनीति सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा का माध्यम है। उनका मार्गदर्शन आज हमारे लिए शक्ति और प्रेरणा का स्रोत है। वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि दीनदयाल जी का जीवन सादगी और राष्ट्र समर्पण का प्रतीक है। मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कहा कि उनका अंत्योदय दर्शन गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के उत्थान का आधार बना है। मंडल महामंत्री मनोज कंसारी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने और समाज सेवा की भावना से कार्य करने में ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर सभापति जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी, उपाध्यक्ष विनोद हर्ष, अभिमन्यु गुप्ता, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,श्रीमति फूलेश्वरी सिंह, इंदर भगत,निलेश सिंह,मनीष सिंह,मधु चौदहा, विकास पांडेय,अजय प्रताप सिंह, आलोक दुबे,विकास वर्मा, निरंजन राय, संजू वर्मा, नीलम रजवाड़े, मयंक जायसवाल, श्रीमती आशा शुक्ला, गणेश सिंह, गौतम विश्वकर्मा, अजय सोनी, अभिषेक सिंह, सर्वेश तिवारी, शैलेंद्र शर्मा, सतीश शर्मा, इंदु नेताम, विकास सोनी, विकास गुप्ता, भूपेंद्र सिंह, आनंद सिंह, जतिन परमार, अभिमन्यु श्रीवास्तव, रवि विश्वकर्मा, रंजीत चौबे, पुष्पेंद्र शर्मा, रामसिंह देव, अभिमन्यु कंसारी, सतीश शर्मा, रश्मि जायसवाल, बबली नेताम, परमेश नेताम, सौरभ मिश्रा, दीपक सोनी, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, राजा चावर, अनीता सिंह, आलोक दास, पुस्त सोनी, सत्यम साहू, पूरन, रोहित कुशवाहा, प्रिंस चौबे सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज भर्ती प्रक्रिया शुल्क की वापसी,आयुसीमा में मिले छूट

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर द्वारा वर्ष 2022 में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों की भर्ती प्रक्रिया को बंद किए जाने के विरोध में मंगलवार को एनएसयूआई ने जिला अध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में डीन डॉ. अविनाश मेश्राम को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2022 में कांग्रेस सरकार के दौरान इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके तहत हजारों बेरोजगार युवाओं ने आवेदन शुल्क के साथ फार्म भरे थे। मेडिकल कॉलेज ने इन आवेदनों से करोड़ों रुपए एकत्र किए, लेकिन लगभग तीन साल बाद प्रक्रिया को बिना कारण बताए निरस्त कर दिया गया और अब व्यापम के माध्यम से नई भर्ती की घोषणा की गई है। एनएसयूआई अध्यक्ष आशीष जायसवाल ने इसे बेरोजगारों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि कई अभ्यर्थियों की आयुसीमा अब समाप्त हो चुकी है और उनका आवेदन शुल्क भी डूब गया है। एनएसयूआई ने ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी हैं–भर्ती शुल्क की वापसी, आयुसीमा में छूट और आगामी प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करना। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगें पूरी नहीं की गईं, तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान धीरज गुप्ता,अंकित जायसवाल, आकाश यादव,ऋषभ जायसवाल,अभिषेक सोनी सहित अन्य शामिल थे।

श्रमदान कर की गई आकाशवाणी परिसर की साफ सफाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आकाशवाणी अंबिकापुर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। 'एक दिन, एक साथ, एक घंटा' के नारे के साथ आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में आकाशवाणी परिसर को चकाचक बनाया गया। आकाशवाणी अंबिकापुर के कार्यक्रम अधिशासी प्रमेंद्र कुमार और सहायक अभियंता अमृत मिंज के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी इस अभियान में शामिल हुए। सुबह 11 बजे से 12 बजे तक पूरे परिसर, ट्रांसमीटर कक्ष और एफएम स्टूडियो क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम अधिशासी प्रमेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह आदत बननी चाहिए। इस स्वच्छता अभियान में इंजीनियरिंग विभाग से विवेकानंद सिंह, उपेंद्र, महावीर भगत, विभाश प्रसाद, पवन वर्मा, शरद सुमन तिर्की, पद्मनाभ शर्मा, अनंगपाल दीक्षित, ऋतु राउत, चरणजीत कौर, रमा बुधिया, पदमा शर्मा, सरिता अग्निहोत्री, अरविंद एक्का, रामानंद यादव, संगीता पटेल, प्रियंका सिंह, विक्की गुप्ता, रितिका पाठक, धरती प्रिया, रागिनी चौबे, शालिनी चौबे, चंचला यादव, सुमन ठाकुर, पालोमी हरि, बंधू सिंह, बिंदु सिंह, आशीष यादव और रितु सिंह शामिल रहे।

एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार आज भी प्रासंगिक पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर सीतापुर में संगोष्ठी सभा

रेणुका सिंह,जगन्नाथ पाणिग्रही,भारत सिंह सिसोदिया,राम कुमार टोप्पो एवं मंजूषा भगत ने रखा विचार-बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर सीतापुर स्थित एम.एल.ए. एजुकेशन सेंटर में एक भव्य संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं विधायक रेणुका सिंह,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही,भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,विधायक राम कुमार टोप्पो एवं नगर निगम अंबिकापुर की महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं और उन्होंने अपने विचार साझा किए।

अपने उद्बोधन में रेणुका सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद केवल राजनीतिक दर्शन नहीं बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जिस अंत्योदय का विचार दिया, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गरीब कल्याण योजनाओं में? स्पष्ट दिखाई देता है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि जब तक अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण नहीं पहुँचती, तब तक राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। इस अवसर पर जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि उपाध्याय जी का पूरा जीवन राष्ट्र और समाज को समर्पित था। उनका मानना था कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। इसलिए गांव, किसान और मजदूरों के उत्थान के बिना आत्मनिर्भर भारत की कल्पना अधूरी है। भाजपा के कार्यकर्ता उनके विचारों को आत्मसात कर समाज सेवा को ही राजनीति का उद्देश्य मानते हैं। अपने संबोधन में भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि उपाध्याय जी ने संगठन को ही शक्ति और साधन माना। भाजपा का आज का विशाल रूप उनके त्याग और तपस्या का ही परिणाम है। उनका चिंतन हर कार्यकर्ता को यह प्रेरणा देता है कि सेवा और राष्ट्रहित से बड़ा कोई कार्य नहीं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इस अवसर पर विधायक राम कुमार टोप्पो ने कहा कि उपाध्याय जी का जीवन अनुकरणीय था। उन्होंने हमें सिखाया कि सिद्धांतों और आदर्शों से समझौता किए बिना भी राष्ट्र निर्माण किया जा सकता है। आज की नई पीढ़ी को उनके विचारों से जोड़ना समय की मांग है ताकि युवा राष्ट्र सेवा की ओर प्रेरित हों। महापौर मंजूषा भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न मानकर सेवा का माध्यम बनाया। उनका सादा जीवन, उच्च विचार और संगठन के प्रति निष्ठा हर जनप्रतिनिधि के लिए आदर्श है। आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाएँगे। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन देवनाथ सिंह पैकरा ने किया एवं आभार प्रदर्शन अनिल अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राजा राम भगत, देवनारायण यादव, विनोद हर्ष, जन्मेजय मिश्रा, हरमिंदर टिन्नी, मधु चौदाहा, नीलेश सिंह,अजय प्रताप सिंह,रोशन गुप्ता, इंदर भगत,विकास पांडे,श्रवण दास, बालनाथ यादव, त्रिलोचन सदावर्ती, भगत सिंह पैंकरा, मनोज कंसारी,श्रीराम यादव,रामदयाल चौहान,सेतराम बड़ा,सुनिल गुप्ता,निखिल पालवे,नीरु मिस्त्री, विश्वनाथ यादव,मोहित नामदेव,आशीष गुप्ता,सतीश जायसवाल,शशिकांत जयसवाल,बिन्धेश्वरी पैंकरा,ईलू गुप्ता, नेमलाल गुप्ता,ललिता तिर्की, सरोज गुप्ता, संगीता कंसारी, स्नेहलता संध्या जायसवाल, नीलम राजवाड़े, प्रियंका गुप्ता, बबली नेताम,संजीव वर्मा, बालेश्वर यादव,राधा यादव,सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत जिले में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भगवानपुर एवं नवागढ़, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुक्तिपारा एवं शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पुलिस लाईन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें महिला नगर सैनिकों, किशोरी छात्राओं का स्वास्थ्य जांच किया गया।शिविर में महिलाओं का हीमोग्लोबिन जांच, आर.डी.किट से मलेरिया,सिकलिन जांच,रक्तचाप एवं मधुमेह जांच सहित अन्य जांच कर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करायी गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की भी जांच कर परामर्श दिया गया। इसके साथ ही शिविर में महिलाओं को माहावारी स्वच्छता, एनीमिया,व्यक्तिगत स्वच्छता,पोषण के बारे बताया गया।

पतरापाली में शाला त्यागी बच्चों का हुआ पुनःप्रवेश

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विकासखण्ड रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में आज दो शाला त्यागी बच्चों का पुनः प्रवेश हुआ। यह पहल विद्यालय के शिक्षकों के निरंतर प्रयास और अभिभावकों को समझाइश का परिणाम है। विद्यालय के शिक्षक योगेश साहू एवं कृष्ण कुमार यादव बच्चों के पालकों से संपर्क करने हेतु गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उन्हें दो बच्चे बकरियां चराते हुए मिले। जब शिक्षकों ने उनसे बातचीत की तो ज्ञात हुआ कि बच्चे पिछले वर्ष से विद्यालय नहीं आ रहे हैं।

बातचीत के पश्चात शिक्षकों ने बच्चों के पालक ज्ञान सिंह से संपर्क कर स्थिति स्पष्ट की। शिक्षक योगेश साहू ने अभिभावक को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु प्रेरित किया। पालक ने सकारात्मक पहल करते हुए अगले ही दिन बच्चों को विद्यालय में भेजने का आश्वासन दिया। आज उस पहल का परिणाम सामने आया जब राम सिंह एवं लक्ष्मण सिंह अपने पिता के साथ विद्यालय पहुँचे और दोनों का औपचारिक प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर पालक ज्ञान सिंह ने कहा, पारिवारिक कारणों से पिछले वर्ष मैं अपने बच्चों का प्रवेश नहीं करा पाया। मुझे लगा इस वर्ष अब प्रवेश नहीं हो पाएगा, लेकिन शिक्षकों के सहयोग से मेरे बच्चों को शिक्षा का अवसर मिल सका है। मुझे बेहद खुशी है कि वे फिर से विद्यालय से जुड़े हैं।

मेडिकल दुकान संचालक की लापरवाही से चौथी कक्षा के छात्र की मौत

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है,जहां एक मेडिकल दुकान संचालक द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के बाद चौथी कक्षा के छात्र की तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक छात्र अपने माता-पिता का इकलौता संतान था,जिससे पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना बलरामपुर नगर के वार्ड क्रमांक 8 की है। यहां रहने वाला 8 वर्षीय अनमोल एक्का, पिता जितेंद्र एक्का,सरस्वती शिशु मंदिर में चौथी कक्षा में पढ़ता था। बीते बुधवार को अनमोल को खेलते समय घुटने में चोट लग गई थी। उसके घाव का इलाज कराने के लिए परिजन उसे स्थानीय शंभू मेडिकल दुकान में लेकर गए। परिजनों के अनुसार, मेडिकल दुकान संचालक ने घाव की सफाई कर इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगते ही अनमोल की तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालत बिगडऩे पर उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर रेफर कर दिया। मगर रास्ते में ही, रात करीब 12 बजे छात्र अनमोल ने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल दुकान संचालक की लापरवाही और बिना योग्यता के इलाज करने की वजह से अनमोल की मौत हुई।

इकलौते पुत्र की मौत से परिजनों का बुरा हाल

अनमोल एक्का अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी असामयिक मौत से पूरा परिवार गहरे शोक में डूबा है। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन ने की त्वरित कार्रवाई,दुकान सील

मामला सामने आते ही बलरामपुर सीएमएचओ बसंत सिंह ने बताया कि परिजनों और स्वास्थ्य विभाग की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इसके बाद एसडीएम, तहसीलदार, बीएमओ व पुलिस बल की उपस्थिति में मौके की जांच कर शंभू मेडिकल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। ड्रग विभाग द्वारा भी अलग से जांच कर कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू ने जानकारी दी कि मेडिकल दुकान संचालक शंभू विश्वकर्मा फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। शंभू, बलरामपुर जिले के ग्राम दहेजवार का निवासी है और करीब 8-10 वर्ष पहले अवैध रूप से क्लीनिक संचालित करता था। तब प्रशासन ने छापा मारकर उसका क्लीनिक बंद कराया था। इसके बाद उसने मेडिकल दुकान खोली और दुकान के पीछे के कमरे में वह लगातार मरीजों का इलाज करता रहा।

मेडिकल कॉलेज में 'स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार' अभियान के तहत गर्भ संस्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत मंगलवार को 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर डॉ. संध्या पांडेय द्वारा गर्भ संस्कार पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें गर्भावस्था के दौरान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला का सकारात्मक मानसिक वातावरण और संतुलित पोषण गर्भस्थ शिशु के संपूर्ण विकास में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में राजमोहिनी पीजी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्थानीय भोजन और पौष्टिक आहार के महत्व को रेखांकित किया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पोषण से भरपूर स्थानीय खाद्य सामग्री गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए अधिक लाभकारी होती है। इसके साथ ही, महिला रोगियों के लिए सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर की जांच भी की गई। कुल 17 महिलाओं की जांच में पैथोलॉजी विभाग ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और प्रारंभिक चरण में ही रोग की पहचान कर उचित उपचार सुनिश्चित करना था। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाशी कुजूर, डॉ. गीतांजलि कुंवर, डॉ. सौमीला खेस्स (प्रोग्राम संयोजक) और डॉ. सुमन सिंह की उपस्थिति रही।

पुलिस ने जान ले मारने की धमकी देकर महिला के साथ अनैतिक कृत करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

-संवाददाता-
चांदो,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के चांदो पुलिस ने महिला से अनैतिक कृत करने वाले आरोपी राजेश खैरवार, ग्राम माकाजी, थाना चांदों,जिला बलरामपुर रामानुजगंज को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल। जानकारी के अनुसार पीड़िता के द्वारा अपने पति के साथ थाना चांदो मे उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र पेश की मेरे पति घर से बाहर काम मे रहने पर आरोपी राजेश खैरवार ग्राम मागाजी थाना चांदो के द्वारा 16 जुलाई, 2025 को मेरे घर के बाहर रात्रि मे लगभग 9:00 से 10: 30 बजे के बीच पीड़िता को जबरन पकड़ कर व जान से मारने की धमकी देकर गलत काम किया है। पीड़िता कि रिपोर्ट पर थाना चांदो में अपराध क्रमांक 37/2025 धारा 64(1),351(3)बीएनएस पंजीबद्ध कर कर घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देकर उनके द्वारा द्वारा तत्काल थाने से टीम गठित कर आरोपी की पता तलाश हेतु निर्देशित करने पर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आरोपी राजेश खैरवार ग्राम माकाजी, थाना चांदों की पता तलाश कर चंद घंटों में में ही आरोपी को उसके घर से घेराबंदी कर पकड कर पूछताछ हेतु थाना लाया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

-संवाददाता-
लखनपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनसंघ के प्रखर विचारक, संगठन शिल्पी एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती लखनपुर मंडल में गरिमामय रूप से मनाई गई। मंडल के सभी 50 बूथों पर उनके छायाचित्र स्थापित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके जीवन मूल्यों और विचारों से कार्यकर्ताओं व आमजन को अवगत कराया गया। जयंती के अवसर पर मंडल के 12 शक्ति केंद्र प्रभारियों को यह दायित्व सौंपा गया था कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें और इसके उपरांत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करें।

वृक्षारोपण के बाद पंडित जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने मंडल के सभी 50 बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जीवन सादगी, समर्पण और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है।

CMYK

हसदेव नदी किनारे बाढ़ आपदा मॉकड्रिल सम्पन्न

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने दिखाया अद्भूत रेस्क्यू ऑपरेशन,ग्रामीणों ने सीखी जीवन रक्षक तकनीके

-राजन पाण्डेय-

एमसीबी,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। संभावित बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज तहसील नागपुर अंतर्गत हसदेव नदी इंटकवेल तथा ग्राम पंचायत लाई स्थित वन विभाग नर्सरी परिसर में बाढ़ आपदा मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का नेतृत्व कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता आनंद डोंगरे, एसडीएम श्री लिंगराज सिदार, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री एलेक्स टोप्पो तथा तहसीलदार सुश्री श्रुति धुर्वे सहित विभिन्न विभागों के

अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को मिला आत्मविश्वास

इस अभ्यास की विशेषता रही कि ग्रामीणों को आपदा की स्थिति में घरों में उपलब्ध सामान्य सामग्रियों से जीवन रक्षक उपाय बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें बताया गया कि टीपा, भगोना, ड्रम को बाँधकर अस्थायी नाव बनाई जा सकती है तथा मटका और ट्यूब से तैरने का सहारा तैयार किया जा सकता है। इससे लोगों में यह विश्वास जगा कि आपदा की घड़ी में केवल सरकारी संसाधन ही नहीं, बल्कि उनकी समझदारी और तत्परता भी जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है।

आपदा प्रबंधन की पूरी तैयारियों का परीक्षण

मॉकड्रिल के दौरान स्टेजिंग एरिया, इंसिडेंट कमांड पोस्ट (बाढ़ नियंत्रण सूचना कक्ष, गुमशुदगी केंद्र, पुलिस सहायता केंद्र), राहत शिविर (भोजन, चिकित्सा, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय, सुरक्षा, एम्बुलेंस) और रिस्पॉन्डर कैम्प (एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, लाइफ गार्ड, पुलिस, मेडिकल टीम) की व्यवस्थाएँ भी परखी गईं। स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और प्रभावी बना दिया। प्रशासन और बचाव दल ने संयुक्त रूप से यह संदेश दिया कि आपदा की स्थिति में सामूहिक सहयोग, तत्परता और प्रशिक्षण ही सबसे बड़ा हथियार है। इनका रहा विशेष योगदान मॉकड्रिल के सफल संचालन में सतीश उपाध्याय,सुभाष दुबे,मोहर सिंह मराबी,संजय गोंड़,प्रमोद साहू,विनय श्याम,अजय भगत,सतीश मालवीय,संतोष सिंह,शैलेन्द्र सिंह,धनमत सिंह,रमेश सिंह,ज्ञान चंद,शिव चरन,दिलीप,सुचिता,रश्मि किरण मिंज,अमिना एक्का,लेखा प्रजापती,पुष्पा राजवाड़े, दुर्गा सिंह तथा महेश एक्का का सराहनीय योगदान रहा।

रेस्क्यू ऑपरेशन का अद्भूत प्रदर्शन

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों ने संयुक्त रूप से बाढ़ की वास्तविक परिस्थितियों में बचाव अभियान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अभ्यास की शुरुआत नदी के टापू में फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकालने से हुई। इसके बाद तेज बहाव में डूबते व्यक्तियों को सुरक्षित किनारे तक पहुँचाने, पेड़ों की डालियों और पुल पर फंसे लोगों को मोटर बोट एवं रेस्क्यू रस्सियों की मदद से बाहर लाने का अभ्यास किया गया। बाढ़ से ढहे मकानों में दबे लोगों को निकालने और सर्पदंश पीड़ितों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराकर अस्पताल तक पहुँचाने की प्रक्रिया का भी जीवंत प्रदर्शन किया गया।

आधुनिक उपकरणों का हुआ उपयोग

मॉकड्रिल के दौरान मोटर बोट, स्क्यूबा डाइविंग उपकरण, अंडरवॉटर कैमरा,लाइफ जैकेट,लाइफ बॉय,पेलिकन लाइट,सर्च लाइट और फायर ब्रिगेड जैसी आधुनिक संसाधनों का उपयोग किया गया। गोताखोरों ने डूबते हुए व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने की तकनीक प्रदर्शित की। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी निकासी और भारी मशीनरी से बाधाओं को हटाने का प्रशिक्षण दिया।

बिजली बिल में बढ़ोत्तरी प्रदेश की जनता से बेईमानी :अनित दुबे

-संवाददाता-

कोरिया,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। इंसान के लिए बुनियादी सुविधाओं में से एक सुविधा बिजली है. छत्तीसगढ़ सरकार ने बीते दिनों बिजली दरों में फेरबेदल किया, कांग्रेस ने बिजली दरों में फेर बदल को मुद्दा बनाते हुए विरोध जताया है कोरिया जिले के कांग्रेस नेता अनित दुबे ने बयान जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आम जनता की जेब पर डाका डालने का काम किया है. जब से छत्तीसगढ़ में सरकार बदली है तब से चार दफा बिजली बिल बढ़ाया जा चुका है,जब हमारी कांग्रेस सरकार प्रदेश में थी तब हमने बिजली कम रेट पर जनता को दिया। केवल 2 पैसा प्रति यूनिट बिजली बिल हमारी सरकार के दौरान बढ़ा था. बीजेपी की सरकार में बिजली बिल बढ़ते बढ़ते 80 पैसे तक पहुंच गया है, कांग्रेस नेता अनित दुबे ने आरोप लगाया कि बिजली बिल हाफ योजना को 400 यूनिट से 100 यूनिट तक लाया गया है, आम आदमी 1 भी बल्ब अपने घर में इस्तेमाल करता है तो उसका 100 यूनिट से अधिक हो जाता है, ऐसी स्थित में छत्तीसगढ़ की जनता काफी परेशान है, जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी के तरफ से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत 120 आयोजित जॉच शिविरों में 6760 हितग्राहियों ने कराया अपना जॉच

-संवाददाता-

कोरबा,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण देखभाल और टीकाकरण और पोषण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने, महिलाओं तथा बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत 17 सितंबर से जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित करने दैनिक स्वास्थ शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविरों में रोगों की पहचान, रोकथाम और स्वास्थ संवर्धन पर ध्यान केन्द्रित कर गैर संचारी रोगों,

कैंसर एनिमिया, टीबी, सिकल सेल रोग,मातृ एंव शिशु की जॉच एवं उपचार किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली, जागरूकता और परामर्श सत्र का आयोजन कर जानकारी दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि अक्सर महिलाओं में एनिमिया, पोषण की कमी, महावारी से जुड़ी समस्याएं और सिकल सेल जैसी बिमारियाँ समय पर जॉच नहीं होने की वजह से गंभीर रूप ले लेती हैं। इन समस्याओं को दूर करने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविरों का आयोजन कर महिलाओं में बिमारियों की स्क्रीनिंग कर उपचार प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 17 सितंबर से 22 सितंबर तक लगाये गए शिविरों में 06 हजार 760 महिलाओं का जॉच किया गया जिसमें 860 गर्भवती महिलाओं की जॉच 02 दो 599 एनिमिया जॉच,01 हजार 993 सिकलसेल जॉच,01 हजार 209 टीबी जॉच, 04 हजार 119 बीपी जॉच, 03 हजार 970 शुगर जॉच तथा 03 हजार 316 कैंसर जॉच (ओरल, ब्रेस्ट,सर्वाइकल) किया गया। इसके साथ ही 116 वयवंदन कार्ड बने तथा 278 बच्चों को टीकाकृत किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत तथा सीएमएचओ डॉ. केशरी ने जिले की महिलाओं, नागरिकों,जन प्रतिनिधियों से स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित हो रहे शिविरों में जाकर जॉच कराने तथा क्षेत्र की महिलाओं को स्वास्थ जॉच कराने हेतु आग्रह किया है जिससे उनकी स्वास्थ्य जॉच हो सके।

राज्य सीमा पर बसे जिले के दूरस्थ ग्राम में स्वास्थ्य विभाग ने लगाया शिविर

-संवाददाता-

कोरिया,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। 24 सितंबर दिन बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश की सीमा पर बसा जिले का आखरी व दूरस्थ ग्राम गोयनी में कैम्प लगाया उक्त कैम्प स्वस्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया डॉक्टर प्रशांत सिंह के निर्देशन में स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत लगाया गया। शिविर में काफी संख्या में ग्रामीणों ने उक्त शिविर का लाभ उठाया, खराब मौसम और बारिश के बाद भी स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा शिविर में खण्ड चिकित्सा

अधिकारी सोनहत,पीएचसी रामगढ़ प्रभारी,महिला चिकित्सा अधिकारी रामगढ़ सुपरवाइजर,और और आर एच ओ द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक इलाज मुहैया कराया गया किया गया शिविर में कुल 152 लोगों को लाभांवित किया गया। जिसमे 5 गर्भवती महिलाओं की जांच 45 बच्चो का स्वास्थ्य परीक्षण सहित 23 वयोवृद्ध लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण के अलावा 16 किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया शिविर में 75 लोगो का एनीमिया जाच बी पी शुगर जांच भी किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः.202509021200106

विषय-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन :- 2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015 (हे.)]
पक्षकारों का विवरणः- आवेदक पक्षकार-सतीश साहू व अन्य 10,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सतीश साहू आ0 रामप्यारे साहू, निवासी मणीपुर अम्बिकापुर. जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदकगण के पितामह कौलेश्वर साहू आ शिवसरन साहू के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व हक की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला मणिपुर अस्पताल रोड स्थित नजूल भूमि भू0 ख0क0 4140/1, 4224/1 रकबा क्रमश. 0.14, 0.09 एकड़ भूमि का अपंजीकृत वसीयत पत्र दिनांक 10-05-1982 का निष्पादन रामप्यारे साहू, तपेश्वरी साहू व रामनारायण साहू के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त वसीयत पत्र के आधार पर उक्त वसीयतशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन छ0ग0 भू राजस्व संहिता के अंतर्गत धारा 109, 110 के तहत आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई लिखित दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 08-10-2025 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथी के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

01. न्यायालय के नोटिस बोर्ड पर प्रकाशनार्थ
02. आवेदकगण आवेदकगण सतीश साहू
आ0 रामप्यारे साहू, निवासी मणीपुर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 वे ईश्तहार का प्रकाशन समाचार पत्र में कराकर ईश्तहार की प्रति पेश करें।

यह ईश्तेहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/09/2025 को जारी किया जाता है।

सील

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,सरगुजा

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

Email ID- ddvssura.cg@nic.in Phone No. 07775-296072

क्र0 650/पशु पालन/गौ सेवा/ गौधाम/2025-26 सूरजपुर, दिनांक 22.09.2025

रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रण

(गौधाम योजना के संचालन हेतु)

रूचि की अभिव्यक्ति जारी करने की तिथि -25.09.2025
निर्धारित प्रपत्र - 7 मे आवेदन करने की अंतिम तिथि-10.10.2025
आवेदन जमा करने का स्थान - कार्यालय उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाये, जिला - सूरजपुर (छ0ग0) पिन न0-497229

छ0ग0 शासन पशुधन विकास विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के पत्र क्र. 1295/E- 47383/GENCOR/3230/35/2025 दिनांक 06.08.2025 में प्रसारित दिशा निर्देश अनुसार जिला सूरजपुर छ0ग0 में गौधाम संचालन हेतु इच्छुक स्वयंसेवी संस्थाओं/एनजीओ/गौशालाओं से रूचि की अभिव्यक्ति दिनांक 10.10.2025 तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है। गौधाम में निराचित, घुमन्तु गौ वंशीय पशुओं तथा गृह विभाग द्वारा कृषिक पशु परीक्षण अधिनियम 2004 (यथा संशोधित 2011) एवं छ0ग0 पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 के अंतर्गत जब्त गौवंशीय पशुओं को ही विस्थापित किया जाएगा।
गौधाम संचालन हेतु योजना का स्वरूप,स्थापना हेतु भूमि उद्देश्य पशु क्षमता, क्रियान्वयन / नियंत्रण / अनुसरण / अनुशीलन, गौधाम संचालन हेतु संस्था का चयन / पात्रता / कार्यकाल / दायित्व मानव संसाधन की व्यवस्था, प्रबंधन योजना का वित पोषण एवं शास्ति, गौसेवा आयोग में पंजीयन की प्रक्रिया, रूचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने हेतु आवेदन का प्रारूप (प्रपत्र - 7 प्रारूप - 'क', 'ख', 'ग(1 एवं 2)') इत्यादि की जानकारी कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें, सूरजपुर परिसर से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर या जिला सूरजपुर के NIC की वेबसाईट www.surajpur.nic.in प्राप्त की जा सकती है।

जी नंबर-252603738/1

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें
जिला - सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.....अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती दीप्ती मिश्रा पति प्रवीण कुमार मिश्रा जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम/नगर धौरपुर, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 836/36 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा,नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 11/10 /2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र..... /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखसाय आ0 जगदीश, निवासी ग्राम कंचनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि कुल खसरा 18 कुज रकबा 0.955 हे0 ग्राम कंचनपुर में स्थित है। उक्त भूमि में से खसरा नंबर 5/3, 296/3, 437/3, 615/3, 600/3, 758/1, 297/3 वर्तमान राजस्व अभिलेखों में से विलोपित हो गया है, आवेदक के नाम पर दर्ज नहीं है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/10/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र..... /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजनाथ उर्फ राजन आ0 जगदीश, निवासी ग्राम कंचनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि कुज खसरा 18 कुल रकबा 0.955 हे0 ग्राम कंचनपुर में स्थित है। उक्त भूमि में से खसरा नंबर 259/2, 262/2, 615/2, 267/2, 262/3 वर्तमान राजस्व अभिलेखों में से विलोपित हो गया है, तथा खसरा नंबर 758 रकबा 0.095 हे0 अतिरिक्त दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/10/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार या जायेगा।

आज दिनांक 23/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

CMYK

शारदेय नवरात्रि में चांग माता के दरबार मे भक्तों की उमड़ रही भीड़

» जलाए जा रहे घी और तेल के मनोकामना दीप

» चांग भखार क्षेत्र की शान है चांग माता मंदिर,शक्ति की भक्ति में लीन हुआ क्षेत्र

-राजन पाण्डेय-

एमसीबी/भरतपुर/कोरिया, 25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

भरतपुर का चांग माता मंदिर अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। चांग माता का मंदिर भरतपुर के भगवानपुर गांव में स्थित है। ये मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं,इस दौरान माता रानी की पूजा-अर्चना करते हैं। भक्तों का मानना है कि यहां आने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

सोनहत में भी नवरात्रि पर भव्य आयोजन

सोनहत में भी नवरात्रि के शुभ अवसर पर फारेस्ट कालोनी एवं नवयुवक दुर्गा पूजा समिति द्वारा जनपद चौक के पास दुर्गा जी स्थापना कर पूजन किया जा रहा है जिसमे प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा पूजन किया जा रहा है इसी क्रम में सोनहत के केशगवां,रजौली रामगढ़ भैसवार कटगोड़ी,करीं बलिया में दुर्गा माता की स्थापना कर पूजा किया जा रहा है।

नवरात्रि का आयोजन और धार्मिक अनुष्ठान

नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में सैकड़ो की संख्या में घी और तेल के कलश स्थापित किए गए हैं,जिनमें ज्योति कलश की स्थापना कर माता की आराधना की जा रही है। सुबह-शाम विशेष पूजा,अर्चना और मंगल आरती का आयोजन हो रहा है,नवमी के दिन कन्या भोज का भी आयोजन किया जाता है।

प्राचीन इतिहास और आस्था की गाथा

माता चांग का ये मंदिर करीब डेढ़ सौ साल पुराना माना जाता है। कहा जाता है कि पहले मां की मूर्ति एक पेड़ के नीचे रखी गई थी,जिसे बैगा पूजते थे,समय के साथ इस स्थान ने आस्था का केंद्र बनकर कई भक्तों को आकर्षित किया। आज यह स्थान मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से आने वाले भक्तों के लिए धार्मिक पर्यटन का केंद्र बन गया है। वहीं मंदिर पहुंचे भक्त अंकुर प्रताप सिंह ने बताया कि यहां मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अन्य कई राज्यों से देवी मां के भक्त पहुंचते हैं। नवमी के दिन यहां भंडारे का भी आयोजन होता है। जहां दूर दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर के सेवादार ने बताया कि यहां घी और तेल के दीपक प्रज्जवलित जाते हैं। स्थानीय लोगों की माने तो चांग माता बालंग राजा की कुलदेवी हैं। इसलिए नवरात्रि के अवसर पर माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मां दुर्गा अपने नौ रूपों में आती हैं। भक्त 9 दिन तक माता रानी के उपासना में लीन होकर पूजा अर्चना करते हैं।

चांग भखार क्षेत्र में चांग माता की छत्रछाया:अंकुर प्रताप

क्षेत्र के अंकुर प्रताप सिंह ने बताया कि नवरात्रि के दौरान मां चांग देवी के मंदिर का दरबार भक्तों की भारी भीड़ से सजा होता है,जहाँ अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है,जवारे बोए जाते हैं और चंडी यज्ञ का अनुष्ठान होता है। यह एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ की तरह है। शारदीय और चैत्र नवरात्रि में हजारों श्रद्धालु देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं। भक्तों द्वारा अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है और देवी मंदिर के पास जवारा कक्ष में जवारे बोए जाते हैं। श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए देवी की प्रतिमा के समक्ष नारियल बांधते और चढ़ते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य यह मंदिर प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है।

गांधीजी के सपनों का भारत गढ़ने की दिशा में एक और कदम

एक दिन एक घंटा एक साथ बाजार परिसर में चला स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सामूहिक श्रमदान

कृषि मंत्री श्री नेताम हुए शामिल, श्रमदान कर आमजनो को स्वच्छता के लिए किया प्रेरित

-संवाददाता-

बलरामपुर,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने शासन-प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत एक दिन-एक घंटा-एक साथ थीम पर आज जिला मुख्यालय बलरामपुर स्थित बाजार परिसर में स्वच्छता अभियान अंतर्गत सामूहिक श्रमदान किया गया। जिसमें कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने स्वयं हाथों में झाड़ू लेकर श्रमदान किया और आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा,पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल,रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, अपर कलेक्टर श्री आर एस लाल, श्री अभिषेक सहित उपस्थित सभी जनों ने सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं है,बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छता हर नागरिक का दायित्व है। इसके लिए हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से हर कार्य आसानी से संभव है। हम सभी प्रतिदिन थोड़ी देर भी सफाई के लिए निकालें तो पूरा जिला स्वच्छ और साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब हम सब मिलकर एक दिन,एक घंटा,एक साथ-सफाई के लिए समय देंगे,तभी स्वच्छ जिला,राज्य,देश बनेगा। स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियों से बचाव होता है, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति भी होती है। मंत्री श्री नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास को सफल बनाने जिले के आम नागरिकों से स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। स्वच्छता के प्रति सामूहिक श्रमदान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों,अधिकारी-कर्मचारियों,नागरिकों,स्वच्छाग्राही दीदियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए बाजार परिसर में सफाई कार्य किया।

स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान- माताओं और परिवारों को सशक्त बनाने का उद्देश्य

-संवाददाता-

कोरिया,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान का आयोजन कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यह अभियान प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत जिले में निरंतर क्रियान्वित किया जा रहा है। आज की थीम 'छत्तीसगढ़ की महतारी-हम सब की जिम्मेदारी' के अंतर्गत जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में गर्भवती और उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच, उपचार,टीकाकरण, आवश्यकता अनुसार स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा सोनोग्राफी सुनिश्चित की गई। महिलाओं को संतुलित आहार,पोषण और निर्धारित समय पर गर्भावस्था जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। काउंसलिंग और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करना और परिवारों को स्वस्थ और सशक्त बनाना है। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि यदि घर में नारी स्वस्थ है,तो परिवार खुशहाल और समृद्ध होगा। और तभी जिले व प्रदेश का विकास संभव है।

पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष जयंती एवं आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान संपन्न

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,25 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

देशव्यापी सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष जयंती एवं आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का आयोजन मानस भवन मे किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने भारत माता,पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुख़र्जी जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि कर किया। कार्यक्रम मुख्य से कार्यक्रम प्रभारी हरपाल सिंह भामरा, ललन प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक भईयालाल राजवाड़े एवं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। बैठक मे मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, सीए प्रशांत गुप्ता,पूर्व नपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल,बसंत राय,रविशंकर राजवाड़े, राजेश सिंह, अनिल साहू,चुन्नी पैकरा,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, अरुण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर,उपाध्याय प्यारे साहू,जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, ईश्वर राजवाड़े, प्रदीप तिवारी, सुनीता कुर्रे, शिवकुमारी सोनपाकर, जिला मिडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े उपस्थित रहें।

कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन प्रकाश डाला, उन्होंने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सन 1953 से 1968 तक भारतीय जनसंघ के नेता रहे। एक गंभीर दर्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ-साथ वह एक ऐसे समर्पित संगठनकर्ता और नेता थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किये। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय से ही वह इसके वैचारिक मार्गदर्शक और नैतिक प्रेरणा-स्रोत रहे हैं, ÷अनेकता में एकता और विभिन्न रूपों में एकता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की सोच रही है उनका मानना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा का भाव भारत सरकार की सभी योजनाओं में झलकता है। वे न सिर्फ एक राजनीतिक नेता थे, बल्कि एक सामाजिक चिंतक और शिक्षाविद् भी थे।

वक्ता हरपाल सिंह भाभरा ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नागरिकों और दुकानदारों से वोकल फॉर लोकल के तहत भारत में निर्मित वस्तुओं का समर्थन करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वदेशी उत्पादों की शुरूआत गर्व और शक्ति की भावना से होनी चाहिए,न कि मजबूरी से। उन्होंने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने,उद्यमशीलता को समर्थन देने और भारत के आर्थिक और औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए दुकानों के बाहर स्वदेशी बोर्ड जैसे दृश्य प्रचार का आह्वान किया। उन्होंने कहा,आज एक तरफ जहाँ दुनिया ग्लोबल वार्मिंग पर बहस कर रही है. वहीं भारत ने 2030 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा हासिल करने का संकल्प लिया,फिर भी,लोगों की प्रतिबद्धता की बदौलत,यह लक्ष्य 2025 तक पूरा हो गया। सौर,परमाणु,जलविद्युत और हाइड्रोजन ऊर्जा को और उन्नत किया गया है, जो ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक अहम कदम है।

विधायक भईयालाल राजवाड़े ने कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे भारत आधुनिक रक्षा नवाचारों से प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो किसी भी खतरे का त्वरित,सटीक और शक्तिशाली जवाब देने में सक्षम है।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि,प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं का एलान किया, जिससे स्वदेशी अंतरिक्ष क्षमताओं के एक नए युग का संकेत मिलता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 300 से ज्यादा स्टार्टअप, उपग्रहों, अन्वेषण और अत्याधुनिक अंतरिक्ष तकनीकों में सक्रिय रूप से नए विचारों पर काम कर रहे हैं, जिससे यह साफ होता है कि भारत न केवल अंतरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण में भाग ले रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवतावाद का दर्शन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी, जिला सह मिडिया प्रभारी वर्षा साहू, जिला सोशल मिडिया संयोजक जगनारायण साहू, सह संयोजक राकेश गुप्ता,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक,रामलखन यादव,दीपा विश्वकर्मा,मैनेजर राजवाड़े,राजाराम राजवाड़े, संजय चिकनजूरी, रमन गुप्ता, सचिदानंद द्विवेदी, सत्यम साहू, दिनेश साहू,रीता यादव, राकेश गुप्ता, सुशीला साहू, अशोक यादव, प्रदीप राजवाड़े, सुरेश सिरदार, विमलकांत गुप्ता,मुन्ना चक्रधारी, सचिन गुप्ता, संगीता गुप्ता, ममता कुशवाहा, संतोष राजवाड़े, सुनील सिंह,आलेश्वरी अनिल गौतम, रेखा वर्मा, ज्योति देवांगन, प्रमिला सिंह, निर्मला पोया सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहें।

CMYK

गुरु जी के कहने पर बिग बॉस किया और फिर जिंदगी बदली,अब तक में 146 फिल्में कर ली : राहुल देव

मॉडलिंग समेत एक्टिंग में तकरीबन तीन दशकों का समय बिता चुके जाने-माने अभिनेता के जीवन में मुश्किल दौर तब आया,जब उन्होंने कैंसर में पत्नी रीना को खो दिया। बेटे सिद्धांत के सिंगल पैरेंट के रूप में मुश्किल भरा वक्त रहा हो या फिर करियर का बुरा दौर,आज अपने गुरु श्री तरनेव जी की कृपा से राहुल सब कुछ पार कर चुके हैं। अपने गुरु को डिवाइन शकतो मानने वाले राहुल का कहना है,उनकी जिंदगी में रौशनी लाने और मार्ग दिखाने का काम गुरु तरनेव जी ने ही किया।

बसों में सफर करता था दो लाख का चेक देख हैरान था...

सुपर मॉडल और सक्षम अभिनेता राहुल देव कभी क्रिकेटर बनना चाहते थे। वे बताते हैं, मैं दिल्ली स्टेट लेवल तक खेला हूं,मगर घर में पढ़ाई का माहौल था। मां अध्यापिका थीं और इंजीनियर बनने का दबाव था। टाटा में भी छह महीने नौकरी की। फाइनल इंटरव्यू में राज मिश्रा जी ने मुझसे पंजा लड़ाने की शर्त रखी और मैं जीत गया-इस तरह जॉब पक्की हो गई। इसी दौरान, जब मैं अपनी दिवंगत पत्नी के साथ कोर्टशिप कर रहा था, डिज़ाइनर रोहित खोसला और रोहित बल ने मुझे देखा और कहा-आपका चेहरा फैशन के लिए परफेक्ट है। फोटोग्राफर प्रभुद्धदास गुप्ता ने मेरी पहली तस्वीरें खींचीं और फिर मैं एक बड़े टेक्सटाइल ब्रांड का छह साल तक एंबेसडर रहा। वह शूट अतुल कस्बेकर ने किया था। जहां नौकरी में मुझे 4200 मिलते थे, वहीं पहले शूट का पेचेक 1.46 लाख (टीडीएस कटने के बाद) आया, तो मैं तो देखता रह गया। तब दो लाख बहुत बड़ी रकम होती थी, क्योंकि उससे पहले तक हम डीटीसी बसों से सफर करते थे।

पत्नी चली गई और मैं काम करता रह गया

अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को बयान करते हुए राहुल देव बताते हैं, जिंदगी का पहला बड़ा चैलेंज 16 मई 2009 को आया,जब मैंने अपनी पत्नी रीना को कैंसर में खो दिया। वो अचानक चली गईं और मैं सिर्फ काम में डूबा रह गया,क्योंकि उस समय 13 फिल्में पूरी करनी थीं। उनके आखिरी दिनों में भी मैं काम में इतना व्यस्त था कि अंत में ही पहुंच पाया। मगर रीना की जिम्मेदारी इतनी गहरी थी कि बिना बताए एक वसीयत भी छोड़ गईं। उनके जाने के बाद साढ़े चार साल तक हर सुबह मेरे लिए काली होती थी। वो अपने पीछे दस साल का बेटा छोड़ गईं,लेकिन मैं कभी उसके पैरेंट-टीचर मीटिंग तक में शामिल नहीं हो पाया। मैं बिखर चुका था। पत्नी के बाद राहुल ने करियर छोड़कर दिल्ली का रुख किया और फिटनेस ब्रांड ब्रीद लॉन्च किया। मेरे पहले जिम में मिलिंद सोमन थे। इंडस्ट्री का खूब सपोर्ट मिला। सुनील शेट्टी बिना फीस के लॉन्च पर आए, बॉबी देओल ने कई दिनों तक मुफ्त प्रमोशन किया, यहां तक कि फाइव स्टार होटल का 84 हजार का बिल भी खुद चुकाया। बावजूद इसके जिम नहीं चल पाया, क्योंकि मुझमें बिज़नेस समझ और संयम की कमी थी। जान-पहचान वालों को मैं अक्सर डिस्काउंट या फ्री में ही सुविधा दे देता था। आज समझता हूं,असली गुरु वही है,जो संयम और समझ सीखा सके।

गुरु श्री तरनेव जी ने रौशनी दी, मार्ग दिखाया

राहुल देव कहते हैं,पत्नी के जाने के बाद मैं भीतर से टूट चुका था। बेटे से बहुत प्यार था,लेकिन सचाई ये है कि मैं अच्छा पैरेंट नहीं था। पेरेंटिंग पौधे की तरह है, उसे खाद,पानी और धूप संतुलन में मिले,तभी वो

पनपता है। उस वक्त मुझे ही पैरेंट की ज़रूरत महसूस होती थी। बेटे के पास मां नहीं थी, टूटा हुआ पिता था, फिर भी वो सुपर स्ट्रॉन्ग निकला। 2013 में उनके जीवन में गुरु श्री तरनेव जी का आगमन हुआ। पहले उनसे मुलाकात अच्छे दिनों में हुई थी, लेकिन तकलीफों के समय जब मैंने मेसेज किया, तो उनका पहला जवाब था, फिक्र मत करो, मैं तुम्हारे साथ हूं।' उस दौर में जब बेटे को स्कूल से चेतावनी मिली और मैं बुरी तरह परेशान था, गुरुजी ने मार्ग दिखाया, नया स्कूल सुझाया और मुझे राम की ध्वनि दी। उनके मेसेज ने मेरी टूटी कड़ी जोड़ दी। वे मुझे और मेरे बेटे दोनों को पिता-सा मार्गदर्शन देते रहे। राहुल आगे बताते हैं, मैं कई गुरुओं से मिला, मगर वे मुझे अभिनेता के रूप में देखते थे, मगर तरनेव जी ही ऐसे गुरु रहे, जिन्होंने 12 सालों में कभी कोई अपेक्षा नहीं रखी। वे सिख परिवार से हैं, एमबीए पढ़े हुए हैं। आठ घंटे दुनियावी रहते हैं और बाकी पूरी तरह आध्यात्मिक। मुग्धा (उनकी पार्टनर मुग्धा गोडसे) को संगीत से जोड़े रखने का काम भी उन्होंने ही किया। मैं 82 फिल्में कर चुका था,लेकिन काम का मन नहीं होता था,ऑफर आने भी बंद हो गए। तभी बिग बॉस का ऑफर आया, जिसे सालों से टाल रहा था। गुरुजी ने कहा, 'कर लो।' किस्मत देखिए, कबीर बेदी ने आखिरी वक्त पर मना किया और मुझे बुला लिया गया। मैं उस साल का हाईएस्ट पेड कंटेस्टेंट बना। उसके बाद करियर फिर चल पड़ा और आज तकरीबन 146 फिल्में कर चुका हूं और अभिनय का सफर जारी है।

पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत ने भारत-पाक मैच पर सवाल उठाए

बोले...सरदार जी-3 पहले शूट हुई थी पंजाबी कभी देश के खिलाफ नहीं जा सकते

पंजाबी सिंगर एवं एक्टर दिलजीत दोसांझ ने सरदार जी 3 फिल्म विवाद पर पहली बार खुलकर बात की है। इसके साथ-साथ उन्होंने भारत-पाक के बीच हुए मैच पर भी सवाल उठाए हैं। दिलजीत इन दिनों में मलेशिया में अपने ओरा टूर पर हैं। उन्होंने कहा-वो मेरे देश का झंडा है, हम सब इंडिया हैं। जब मेरी फिल्म आई थी सरदार जी, वह फरवरी में बनी थी,तब सभी मैच खेल रहे थे। लेकिन जो बहुत ही दुखदाई घटना हुई पहलगाम की, हमने निंदा की। तब भी अरदास की, आज भी अरदास करते हैं कि जिन्होंने भी हमला किया, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले। हम अपने देश के साथ हैं। लेकिन जो ये अब मैच (भारत-पाक) हुए हैं, इसका और मेरी फिल्म का फर्क बहुत है। दिलजीत ने कहा कि हमारी फिल्म पहले शूट हुई थी, मैच बाद में। नेशनल मीडिया का जोर लग गया, दिलजीत दोसांझ को देश के खिलाफ दिखाने के लिए। लेकिन पंजाबी और सरदार कभी देश के खिलाफ नहीं जा सकते।

सरदार जी-3 फिल्म को लेकर हुआ था विवाद

पहलगाम हमले के बाद सरदार जी 3 फिल्म पर विवाद शुरू हुआ। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर ने भी काम किया है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल खड़े होने लगे। विरोध बढ़ने पर फिल्म को भारत में रिलीज न करने का फैसला लिया गया और इसे केवल विदेशों में दिखाने का ऐलान किया गया। दिलजीत दोसांझ ने इस विवाद के बीच स्पष्ट भी किया था कि जब यह फिल्म बनाई गई थी तब हालात सामान्य थे। उन्होंने कहा था कि उनके लिए हमेशा देश पहले है।

फेडरेशन ने दिए थे दिलजीत के खिलाफ बयान : फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा था-अगर वो फिल्म रिलीज करते हैं तो दिलजीत दोसांझ और उनकी प्रोडक्शन कंपनी व्हाइट लेदर हाउस और जितने भी प्रोड्यूसर हैं, सबको इंडिया में बैन करेंगे। इस बीच दिलजीत दोसांझ को फिल्म बॉर्डर-2 से भी निकालने की बातें उठीं, लेकिन उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर बार-बार वीडियो डाल साफ किया कि वे फिल्म का हिस्सा बनें रहेंगे।

मेरी फिल्म पहले शूट हो गई और मैच बाद में खेला गया : दिलजीत बोले,मैंने सब कुछ अपने अंदर ही रखा। कुछ नहीं बोला। मेरे पास कई जवाब हैं। कोई भी आपको कुछ भी कहे,आपको उस जहर को अपने अंदर नहीं लेना चाहिए। मैंने तो अपनी जिंदगी से यही सीखा है,इसलिए मैंने कुछ नहीं कहा। कहने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं वो बकवास नहीं करना चाहता। मेरी फिल्म हमले से पहले शूट हुई थी और मैच हमले के बाद खेला गया था।

इन सितारों के घर जल्द गूंजेगी किलकारी

कटरीना-विक्की से लेकर अरबाज-शूरा तक शामिल

2025 में बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में खुशियों की बाढ़ आ गई है। कई मशहूर सेलिब्रिटी कपल्स ने अपने पहले बच्चे की आने वाली खुशखबरी साझा की है, जिससे फैंस भी उत्साहित हैं। यहां हम उनसेलिब्रिटी कपल्स के बारे में बता रहे हैं जिनके घर इस साल बच्चे की किलकारी गूंजेगी।

कटरीना कैफ और विक्की कौशल

बॉलीवुड की सबसे पॉपुलर जोड़ियों में से एक कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 23 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक घोषणा की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई एक प्यारी सी तस्वीर में कटरीना ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया, जबकि विक्की

प्यार से उनके बेबी बंप को छूते नजर आए। इस प्यारी तस्वीर के साथ कपल ने कैप्शन में लिखा, हमारी जिंदगी का सबसे अच्छा अध्याय। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कटरीना थर्ड ट्राइमेस्टर में हैं और उनका बच्चा अक्टूबर के आखिर में जन्म ले सकता है। कैट और विक्की की शादी के चार साल बाद उनका यह पहला बच्चा होगा।

अरबाज खान और शूरा खान

अरबाज खान और उनकी पत्नी शूरा खान भी इस साल पेरेंटहुड का मजा लेने वाले हैं। जून 2025 में अरबाज ने एक इंटरव्यू में कन्फर्म किया कि शूरा प्रेग्नेंट हैं और वह दोबारा फादरहुड एंब्रेस करने के लिए एक्साइटेड हैं। अरबाज, जो पहले मलाइका अरोड़ा से शादीशुदा थे और उनके एक बेटा है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए बिल्कुल नया फेज है। कपल ने दिसंबर 2023 में शादी की थी। यह अरबाज और शूरा का पहला बच्चा होगा।

राजकुमार राव और पत्रलेखा

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 9 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की, जिसमें एक प्यारा सा कार्ड शेयर किया गया था - बेबी आने वाला है...। कपल ने 2021 में शादी की थी और 11 साल के लॉन्ग-टर्म रिलेशनशिप के बाद यह खुशखबरी फैंस के लिए सरप्राइज थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका बच्चा 2025 के आखिर तक आएगा। यह कपल का पहला बच्चा होगा।

सोनारिका भदौरिया और विकास पराशर

टेलीविजन की फेमस एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया, जो देवों के देव महादेव में पार्वती का रोल कर चुकी हैं। उन्होंने 14 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की। इंस्टाग्राम पर बेबी बंप वाली फोटोज शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया, Our greatest adventure yet! फरवरी 2024 में बिजनेसमैन विकास पराशर से शादी करने वाली सोनारिका अब सेकंड ट्राइमेस्टर में हैं। यह कपल का पहला बच्चा होगा।

खेल समाचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

गिल कप्तान,जडेजा उपकप्तान,2 अक्टूबर से अहमदाबाद में पहला टेस्ट

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम में 15 मेंबर्स को चुना गया है। स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। रेगुलर उपकप्तान ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे,वे अभी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। बीसीसीआई ने गुरुवार को दुबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टीम का ऐलान किया। सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली में होगा। सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा उम्मीद है कि पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट (नवंबर में) के लिए उपलब्ध होंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाली यह दो मैचों की सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है। फिलहाल भारत पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। भारत ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। वहीं, वेस्टइंडीज अब तक खेले गए तीनों मैच हारकर छठे स्थान पर है। इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में भारत की पहली होम सीरीज है। वहीं वेस्टइंडीज की घर से बाहर पहली सीरीज है।

क्या जगदीसन को प्लेइंग-11 में मौका मिलेगा : टेस्ट टीम के रेगुलर उपकप्तान ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज सीरीज में भारत के मुख्य विकेटकीपर होंगे। जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी। वह इस समय लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। एन जगदीसन, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ ओपनिंग करने के साथ जुरेल के साथ कीपिंग की जिम्मेदारी भी साझा की थी, बैकअप विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल किए गए हैं। टीम से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया गया है, जो इंग्लैंड दौरे पर टीम में शामिल थे। अभिमन्यु ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया।

करुण नायर और सरफराज खान को लेकर चर्चा

सीरीज के लिए चुनी गई टीम में कुछ हैरान करने वाले फैसले भी देखने को मिले हैं। करुण नायर को लेकर पहले से ही अटकलें थीं कि उन्हें इस सीरीज में मौका नहीं मिलेगा। इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था, और चयनकर्ताओं ने इस बार भी उन पर भरोसा नहीं जताया। दूसरी ओर, सरफराज खान का चयन न होना क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाला है। सरफराज ने हाल ही में बूची बाबू टूर्नामेंट में तमिलनाडु के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था।

नीतीश रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल को मौका

इस सीरीज के लिए आंध्र प्रदेश के नीतीश रेड्डी और कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 150 रन की पारी के बाद चर्चा में आए। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी की थी, जहां उन्होंने 0 और 25 रन बनाए थे। नीतीश सात टेस्ट खेल चुके हैं और ऑलराउंडर के रूप में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलेगी वेस्टइंडीज

स्टइंडीज टीम 7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने के लिए आ रही है। विंडीज ने 2018 में पिछली सीरीज 2-0 से गंवाई थी।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम

रोस्टन चेज (कप्तान),तेजनारायण चंद्रपॉल,ब्रैंडन किंग,केवलोन एंडरसन, शाई होप,जोन कैंपबेल,एलिक एथनाज, टेविन इमलाक,जस्टिन ग्रीव्स,एंडरसन फिलिप,अल्जारी जोसेफ,शमार जोसेफ, जेडन सील्स,खैरी पियरी और जोमेल वारिकन।

श्रेयस अय्यर खुद नहीं चाहते थे टेस्ट टीम में शामिल होना टीम सेलेक्शन के बाद बीसीसीआई ने किया कन्फर्म

नई दिल्ली,25 सितम्बर 2025। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। भारतीय टीम में कुछ बड़े बदलाव किए गए हैं। भारतीय टीम की कमान शुभमन गिल को दी गई है। इसके अलावा, रवींद्र जडेजा को उपकप्तान का जिम्मा सौंपा गया है। टीम में एक बार फिर श्रेयस अय्यर का नाम नहीं है। हालांकि इस बार टीम में न होने की वजह खुद अय्यर हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फ्लॉप रहने वाले करुण नायर, साई सुदर्शन और आकाशदीप को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है, जबकि देवदत्त पडिक्कल की टीम इंडिया में फिर से वापसी हुई है। विकेटकीपर ऋषभ पंत अभी फिट नहीं हो पाए हैं, इसकी वजह से उनके स्थान पर

नारायण जगदीशन को टीम में जगह मिली हैं। अक्षर पटेल की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 2 से 6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 10 से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टीम में श्रेयस अय्यर के टीम में चुनी जाने की भी उम्मीद थी। हालांकि सेलेक्शन से पहले ही उन्होंने बीसीसीआई को एक लेटर लिखा और मांग की कि अगले 6 महीने तक उन्हें रेड बॉल क्रिकेट से आराम दिया जाएगा। अय्यर चोट से उबर रहे हैं और शायद यही वजह है कि उन्होंने लॉन्ग फॉर्म से आराम मांगा था।

कोरिया जिले के तीसरे कलेक्टर रह चुके विकासशील गुप्ता छत्तीसगढ़ के 13 वें मुख्य सचिव बनाए गए...

दैनिक घटती-घटना की खबर पर लगी मोहर विकासशील ही होंगे छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव

विकासशील गुप्ता के ही देखरेख और निगरानी में कोरिया जिला संयुक्त कार्यालय निर्माण,नए कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक आवास का हुआ था पूर्ण निर्माण

कोरिया जिले के तीसरे कलेक्टर रह चुके विकासशील गुप्ता हो सकते हैं छत्तीसगढ़ के 12 वें मुख्य सचिव

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे,कार्यकाल 3 साल का रहा

-रवि सिंह-
रायपुर/कोरिया, 16 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

तीसरी बार कोई आईएएस वरिष्ठ आईएएस को पछाड़कर मुख्य सचिव पद पर पदभार ग्रहण करेगा

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे, कार्यकाल 3 साल का रहा :

मुख्य सचिव अमिताभ जैन के एक्सटेंशन की समाप्ति,नए मुख्य सचिव की ताजपोशी तय

मुख्य सचिव अमिताभ जैन का एक्सटेंशन 30 सितम्बर को समाप्त हो रहा है,यह तीन महीने का एक्सटेंशन था जिसे अब सरकार नहीं बढ़ाएगी यह तय माना जा रहा है, इस बीच सरकार नए मुख्य सचिव को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर लेना चाहती है और यही कारण है कि विकासशील गुप्ता फिलीपींस की राजधानी मनीला स्थित एशियाई बैंक के डेपुटेशन से लौट रहे हैं बताया जा रहा है वहां उनकी विदाई भी की जा चुकी है और वह दिल्ली कभी भी आ सकते है। उनके वापसी उपरांत उनकी नए मुख्य सचिव के रूप में ताजपोशी होगी और वह 12 वें मुख्य सचिव होंगे छत्तीसगढ़ सरकार के यह निश्चित किया जा चुका है सरकार की तरफ से।

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे...

-न्यूज डेस्क-
रायपुर,25 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव का ऐलान, अमिताभ जैन के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने आईएएस विकास शील को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त करने का फैसला किया है, वे वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन की जगह लेंगे,जिनका कार्यकाल 30 सितंबर 2025 को समाप्त हो रहा है,छत्तीसगढ़ के नए प्रमुख सचिव का ऐलान हो गया है। अमिताभ जैन के बाद आईएएस विकासशील राज्य के प्रमुख सचिव का पदभार संभालेंगे। वर्तमान चीफ सेक्रेटरी यानी मुख्य सचिव अमिताभ जैन का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है, आईएएस विकासशील को केंद्र में प्रतिनियुक्ति से वापस लाया जाएगा,वो वर्ष 1994 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस हैं। दैनिक घटती घटना ने इस खबर को 17 सितंबर को प्रकाशित कर इस बात का अंदेशा जताया था आखिर इस बात पर मोहर लग गई। छत्तीसगढ़ सरकार में नए मुख्य सचिव की एंट्री तय मानी जा रही है,छत्तीसगढ़ सरकार के 13 वें मुख्य सचिव की जिम्मेदारी कभी भी आईएएस विकासशील गुप्ता को दी जा सकती है और इसकी प्रारंभिक तैयारियों के पूर्ण कर लिए जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है,विकासशील गुप्ता 1994 बैच के आईएएस हैं और वह मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस हैं और वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद वह छत्तीसगढ़ में अपनी सेवा प्रदान करने लगे,विकासशील गुप्ता छत्तीसगढ़ में कई जिलों के कलेक्टर रहे और जिसमे कोरिया,बिलासपुर और रायपुर में उन्होंने कलेक्टर बतौर सेवाएं प्रदान की,कोरिया जिले में उनका कार्यकाल सबसे लंबा रहा तीन वर्षों तक जिले के कलेक्टर रहे विकासशील गुप्ता की ही देखरेख और निगरानी में जिला संयुक्त कार्यालय का निर्माण,नए कलेक्टर आवास पुलिस अधीक्षक आवास का निर्माण झुमका क्षेत्र में किया गया ऐसा बताया जाता है,बड़े ही सौम्य और व्यवहारकुशल उन्हें कोरिया जिले के कलेक्टर रहते हुए माना जाता था और उन्होंने आम लोगों से मिलने जुलने में कभी पदीय महत्व को आड़े नहीं आने दिया था ऐसा बताया जाता है,उस समय के कुछ छात्र नेताओं के अनुसार वह छात्रों को भी शिक्षा के महत्व के साथ छात्र राजनीति की सीख दिया करते थे और शासकीय शिक्षा व्यवस्था को लेकर वह हमेशा सकारात्मक नजर आते थे। विकासशील गुप्ता उत्तर प्रदेश के निवासी थे बाद में वह उत्तराखंड में रहने लगे ऐसी उनकी पारिवारिक जानकारियां सामने हैं और वह आईएएस बनकर मध्यप्रदेश कैडर में शामिल हुए और सेवाएं प्रदान करनी आरंभ की,वर्तमान में वह मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक से कार्यमुक्त होकर भारत लौट रहे हैं वहीं इसी हफ्ते सेंट्रल डेप्यूटेशन से रिलीव होकर वे छत्तीसगढ़ आ जाएंगे,वह पांच आईएएस अधिकारियों को पछाड़कर मुख्य सचिव बनने जा रहे हैं जो सरकार की तैयारी बताई जा रही है, मुख्य सचिव की दौड़ में 1991 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले, 1992 बैच के आईएएस सुब्रत साहू 1993 बैच के आईएएस अमित अग्रवाल भी शामिल हैं लेकिन माना जा रहा है कि मुख्य सचिव पद पर विकासशील गुप्ता को ही मौका मिलेगा जिसकी केवल घोषणा बाकी है। वैसे 1994 बैच की वरीयता में आईएएस ऋचा शर्मा वरिष्ठ हैं तत्पश्चात निधि छिब्बर का नाम आता है जो विकासशील गुप्ता की पत्नी हैं लेकिन मुख्य सचिव के लिए पहली पसंद सरकार की विकासलील गुप्ता हैं यह बताया जा रहा है।

जन्म और शिक्षा

विकासशील का जन्म 10 जून 1969 को हुआ है. उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीई किया फिर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से एमई किया, विकासशील गुप्ता ने 4 सितंबर 1994 को आईएएस की सर्विस ज्वाइन की है।

विकासशील गुप्ता 1994 से अब तक

विकासशील गुप्ता 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं,मध्य प्रदेश कैडर के अधिकारी विकासशील गुप्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ को चुना और वह छत्तीसगढ़ आ गए, मध्यप्रदेश राज्य में वह कटघोरा और जांजगीर के एसडीएम भी रहे, छत्तीसगढ़ चुनने के बाद वह कोरिया,बिलासपुर साथ ही रायपुर कलेक्टर रहे,इसके बाद वह स्कूल शिक्षा विभाग,स्वास्थ्य,खाद्य और सामान्य प्रशासन विभाग के भी सचिव रहे,वर्ष 2018 में वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भारत सरकार चले गए,स्वास्थ्य कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव भी वह रहे,जल शक्ति मंत्रालय में पेयजल और स्वक्षता विभाग में जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव साथ ही मिशन निदेशक पद पर भी इन्होंने काम किया, बाद में इन्हें फिलीपींस की राजधानी मनीला भेजा गया जहां यह अब तक रहे,तीन साल के कार्यकाल के लिए विदेश गए विकासशील का कार्यकाल अभी वहां शेष था लेकिन उन्हें मुख्य सचिव पद के लिए वापस बुला लिया गया।

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे,कार्यकाल 3 साल का रहा

कलेक्टर विकासशील मध्य प्रदेश विभाजन के बाद छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के पहले कलेक्टर के रूप में जिले की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे और कोरिया जिले के तीसरे कलेक्टर के रूप में कार्य करते हुए इनका कार्यकाल 3 साल का रहा,उन्होंने 3 जनवरी 2001 को कोरिया कलेक्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया 17 दिसंबर 2003 को उनका तबादला हुआ और कोरिया का प्रभार छोड़कर यह अन्यत्र स्थानांतरित होकर चले गए,पूरे 3 साल कांग्रेस की सरकार रही और पूरे 3 साल विकासशील कोरिया के कलेक्टर बने रहे कोरिया जिले के गठन के बाद से सबसे लंबा कार्यकाल विकासशील का ही रहा। कलेक्टरों में से सबसे लंबा कार्यकाल भी उनका जिले में रहा और नवीन जिले के लिए विकास की संभावनाओं सहित जिले को बेहतर रूप देने की भी जिम्मेदारी उन्हीं के जिम्मे आई उनके कार्यकाल के दौरान। अपने तीन वर्षों के लंबे कार्यकाल के दौरान कलेक्टर विकासशील ने नए प्रदेश के नए जिले का विकास पूरे मनोयोग से किया इन्हीं के कार्यकाल में कोरिया कलेक्टर संयुक्त कार्यालय बना और इन्हीं के कार्यकाल में उसका उद्घाटन भी किया गया। विकासशील जैसा नाम था वैसा ही उनका कार्यकाल भी रहा उनके ही कार्यकाल में जिले के विकास को नया आयाम मिला, इसी वजह से जिलेवासी आज भी कलेक्टर विकासशील को याद करते हैं उनके कार्यकाल में कोरिया जिला पूरी तरह अस्तित्व में आ गया था। विकासशील के ही कार्यकाल में झुमका बांध के तट से लगकर जिले के अधिकारियों का बंगला बना और उन्ही के कार्यकाल में अन्य शासकीय कर्मचारियों के आवास भी बने। विकासशील के कार्यकाल में उनकी एक बात और बेहतरीन रहा करती थी वह बड़े जिंदादिली से जिलेवासियों के मुलाकात किया करते थे और वह हमेशा जिले के युवाओं को लेकर उनके लिए प्रेरणा भी बना करते थे। शिक्षण संस्थाओं के लिए सदैव सकारात्मक रहा करते थे और युवाओं को आगे बढ़ने की सफल होने की सीख भी दिया करते थे।

तीसरी बार कोई आईएएस वरिष्ठ आईएएस को पछाड़कर मुख्य सचिव पद पर पदभार ग्रहण करेगा

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्षों में अब तक तीन बार मुख्य सचिव पद पर ऐसे आईएएस पदभार ग्रहण कर चुके हैं जो तब के मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल आईएएस अधिकारियों से कनिष्ठ थे,विकासशील गुप्ता यदि मुख्य सचिव बनाए जाते हैं तो यह ऐसा तीसरी बार होगा जब कोई कनिष्ठ मुख्य सचिव पद पर कार्यभार ग्रहण करेगा,वर्ष 2007 में पहली बार ऐसा हुआ था जब तीन वरिष्ठ आईएएस अफसरों को पछाड़कर शिवराज सिंह मुख्य सचिव बने थे,वर्ष 2011 में आईएएस नारायण सिंह को पछाड़ते हुए सुनील सिंह मुख्य सचिव बन सके थे, इस बार पांच आईएएस अफसरों को पछाड़कर विकासशील गुप्ता मुख्य सचिव बनने जा रहे हैं,वैसे वर्ष 2011 के बाद से अब तक वरिष्ठता के आधार पर ही नियुक्तियां होती रहीं लेकिन अब विकासशील गुप्ता का नाम मुख्य सचिव के रूप में सामने आते ही यह तय हो गया है कि अब इस बार पुनः वरिष्ठ की जगह कनिष्ठ को यह जिम्मेदारी प्रदान की जाएगी।

पत्नी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं...

विकासशील गुप्ता आईएएस की पत्नी विकासशील गुप्ता से वरिष्ठ आईएएस हैं,वह सेवा में उनकी अपेक्षा वरिष्ठ हैं,1994 बैच की आईएएस निधि छिब्बर छत्तीसगढ़ कैडर की ही अधिकारी हैं और पति पत्नी बैचमेट हैं,वर्तमान में निधि छिब्बर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नीति आयोग में एडवाइजर हैं,वर्ष 2025 में ही उन्हें नीति आयोग में विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय का महानिदेशक बनाया गया है। वैसे अब वह विकासशील गुप्ता के साथ ही छत्तीसगढ़ लौट रही हैं।

सड़क पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं,दोषियों का लाइसेंस रद्द करें.. स्टंट और तलवार से केक काटने पर हाई कोर्ट की फटकार

बिलासपुर,25 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों और सार्वजनिक सड़कों पर लगातार हो रहे स्टंट, गुंडागर्दी और तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाने जैसी घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि सड़क पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने राज्य सरकार और पुलिस को कड़ी चेतावनी देते हुए दोषियों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट को बताया गया कि रायपुर के खरोरा क्षेत्र में युवकों ने हाइवे पर पटाखे जलाते हुए केक काटा, वहीं बिलासपुर रतनपुर बायपास रोड पर कुछ लड़कों ने तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाया था। इस दौरान ट्रैफिक जाम और दहशत का माहौल बना। पुलिस ने बिलासपुर की घटना में 15 युवकों को हिरासत में लिया है, जिनमें 9 नाबालिग हैं। तलवार और वाहन जब्त कर बीएनएस की धारा 126(2), 191(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत केस दर्ज किया गया है। हाई कोर्ट ने बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक और रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे स्टंट ड्राइविंग और सड़क पर उपद्रव रोकने के लिए अपनाए गए निवारक कदम, जागरूकता अभियान और अब तक हुई कार्रवाई का विस्तृत हलफनामा पेश करने का आदेश दिया है।

रायपुर में गांजा तस्करों के 15 ठिकानों पर चला बुलडोजर

रायपुर,25 सितम्बर 2025। रायपुर में गांजा तस्करों के 15 ठिकानों पर पुलिस ने निगम के साथ मिलकर बुलडोजर चलाया है। आरोपी इन्हीं घरों से बेखौफ होकर सूखा नशे का धंधा कर रहे थे। पिछले हफ्ते पुलिस ने शहर के 40 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जहां से नाबालिगों समेत करीब 60 महिला-पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की सख्ती के चलते बड़ी संख्या में तस्कर अंडर ग्राउंड या शहर छोड़कर भाग रहे हैं। दरअसल, खमतराई थाना इलाके के डेरापारा में सबसे ज्यादा गांजा और अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें थी। दुर्ग-राजनांदगांव के लोग गांजा तस्करी के लिए रायपुर में झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। उन्होंने निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। जब आरोपियों के मकानों के संबंधित निगम से जानकारी मांगी गई। निगम ने अतिक्रमण होने की पुष्टि की। सभी मकानों में बिजली भी सप्लाई हुई थी।

गांजा तस्कर महिला की 38.50 लाख की प्रापर्टी फ्रीज

बिलासपुर में मां-बेटा मिलकर करते थे गांजा-तस्करी,50 दिन की जांच में संपत्ति की मिली जानकारी

बिलासपुर,25 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने गांजा तस्कर महिला की 38 लाख 50 हजार की प्रापर्टी को फ्रीज कर दिया है। पुलिस ने महिला और उसके बेटे को करीब दो माह पहले गांजा तस्करी करते पकड़ा था, जिसके बाद 50 दिनों की जांच के बाद उसके अवैध प्रापर्टी की जानकारी जुटाकर सफेमा कोर्ट मुंबई भेजा गया है। कोर्ट के आदेश के बाद महिला की संपत्ति को पुलिस जब्त करेगी। दरअसल, बिलासपुर में एसएसपी रजनेश सिंह ने नशे का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ एंड टू एंड कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। तस्करों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही पुलिस को उनके अवैध कमाई की जानकारी जुटाकर प्रापर्टी को भी फ्रीज करने कहा गया है। जिससे तस्करों को सबक मिले और उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर किया जा सके।

50 दिन की जांच में जुटाई प्रापर्टी की जानकारी

सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि,आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनकी संपत्ति की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी कांति पांडेय ने नशे के कारोबार से 15 लाख रुपए का मकान और चोरभट्टी में 21 लाख रुपए की जमीन खरीदी है। 50 दिन की जांच में अवैध संपत्ति की जानकारी जुटाकर मामले को सफेमा कोर्ट मुंबई में पेश किया गया है। कोर्ट के आदेश पर संपत्ति जब्त की जाएगी। इस मामले में उत्कृष्ट जांच के लिए सुरेंद्र तिवारी को एसएसपी रजनेश सिंह ने इनाम देने की घोषणा की है।

एएसआई को प्रलोभन दे रही थी महिला

गांजा के साथ पकड़ी गई महिला पहले गोलमोल जवाब दे रही थी। जब उसकी कार से 30 किलो गांजा मिला तो वह खुद को छोड़ने के लिए एएसआई को पैसे देने का ऑफर करने लगी। वह अपने बेटे को आरोपी बनाने और रुपए लेने के लिए जवानों पर दबाव भी बनाने की कोशिश कर रही थी। पुलिस की सख्त रवैए को देखकर उसने सप्लायरों का नाम बताया।

लोक निर्माण विभाग में 7 मुख्य अभियंताओं के तबादले

रायपुर,25 सितम्बर 2025। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने सात मुख्य अभियंताओं के नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा मंत्रालय से जारी आदेश के अनुसार प्रमुख अभियंता कार्यालय, नवा रायपुर में वास्तुविद, डिजाइन एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता आर.के. रात्रे की बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता के रूप में नवीन पदस्थापना की गई है। सरगुजा परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता नागेश कुमार जयंत को दुर्ग परिक्षेत्र, ए.डी.बी. परियोजनाओं के निदेशक पी.एम. कश्यप को रायपुर परिक्षेत्र, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एम.एल. उरांव को बस्तर परिक्षेत्र तथा रायपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता ज्ञानेश्वर कश्यप को राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र का मुख्य अभियंता बनाया गया है। राज्य शासन द्वारा बस्तर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता जी.आर. रावटे की प्रमुख अभियंता कार्यालय, नवा रायपुर में वास्तुविद, डिजाइन एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता के रूप में नई पदस्थापना की है। लोक निर्माण विभाग ने दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता भोलाशंकर बघेल को सरगुजा परिक्षेत्र का मुख्य अभियंता बनाया है। बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता विजय सिंह कोरम को प्रमुख अभियंता कार्यालय, नवा रायपुर में मुख्य अभियंता (प्रशासन) पदस्थ किया गया है।

एनजीओ के नाम पर हजार करोड़ का घोटाला

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,सीबीआई जांच के आदेश..

बिलासपुर,25 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित एनजीओ घोटाले में बड़ा मोड़ आया है। हजार करोड़ रुपये के कथित घोटाले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। यह मामला कथित तौर पर राज्य स्त्रोत निःशक्त जन संस्थान नामक एक गैर-सरकारी संस्था के माध्यम से चल रहे फर्जी अस्पताल से जुड़ा है, जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने टिप्पणी की कि यह कोई साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित संगठित अपराध है।

क्या है पूरा मामला : रायपुर के कुशालपुर निवासी कुंदन सिंह ठाकुर ने वर्ष 2017 में एक जनहित याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ वर्तमान और पूर्व आईएएस अधिकारियों ने एनजीआ के नाम पर करोड़ों रुपये का गबन किया है। आरटीआई से मिले दस्तावेजों में यह सामने आया कि इस अस्पताल को एक एनजीआ संचालित कर रहा था। फर्जी आधार कार्डों के ज़रिए बैंक ऑफ इंडिया और एसबीआई (मोतीबाग शाखा) में खाते खोले गए। बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए। इस घोटाले में कई वरिष्ठ आईएएस अफसरों पर आरोप हैं।

वर्ष 2018 से इस याचिका पर सुनवाई चल रही थी...

जांच के दौरान यह सामने आया कि राज्य स्त्रोत निःशक्त जन संस्थान नामक कोई संस्था जमीनी स्तर पर मौजूद ही नहीं है। इसके बावजूद, इस कथित संस्था के नाम पर मशीनों की खरीद, वेतन वितरण और रखरखाव में करोड़ों रुपये का खर्च दिखाया गया। इतना ही नहीं, याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उन्हें इस फर्जी अस्पताल का कर्मचारी बताकर वेतन भी दिया गया।

याचिका में जिन अफसरों के नाम हैं उनमें शामिल हैं : आलोक शुक्ला, विवेक ढांड, एमके राउत, सुनील कुजूर, बीएल अग्रवाल और पीपी सोती। मामले में उस समय के मुख्य सचिव अजय सिंह ने स्वयं शपथ पत्र देकर माना कि 150 से 200 करोड़ रुपये तक की वित्तीय गड़बड़ी हुई है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी और आदेश : जस्टिस पीपी साहू और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की डिवीजन बेंच ने कहा ''यह मामला केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच स्थानीय एजेंसियों या पुलिस के माध्यम से नहीं की जा सकती।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)